दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली रविवार 24 मई -2026 | वर्ष : 11 अंक : 151 पेज - 08 | RNI NO. DELHI/2015/65364 | मूल्य : ₹3

भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग में 2027 विजय का संकल्प

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और मुख्तार अब्बास नकवी ने कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

प्रशिक्षण वर्ग

प्रशिक्षण वर्ग में कार्यकर्ताओं ने 2027 के चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक विजय का संकल्प लिया

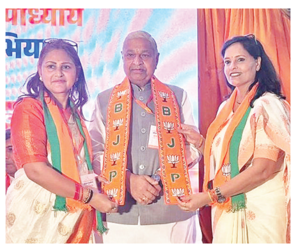

गाजियाबाद करंट क्राइम। भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत आईटीएस कॉलेज, मुरादनगर में आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग का विधिवत शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संगठनात्मक मजबूती, वैचारिक स्पष्टता और अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखते हुए विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में मुख्तार अब्बास नकवी उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का वैचारिक आंदोलन है, जिसकी सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने भाजपा की पंच निष्ठा एवं पांच मूल सिद्धांत – राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय एकता और एकात्मता, लोकतंत्र, शोषण मुक्त एवं समतायुक्त समाज की रचना, सकारात्मक पंथनिरपेक्षता तथा मूल्य आधारित राजनीति – पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर कार्य करने वाला संगठन है और यही विचारधारा उसे देश की जनता का लगातार विश्वास दिला रही है।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की वैचारिक प्रतिबद्धता और सेवा भाव ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जनता के बीच कार्य करने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण वर्ग के चौथे सत्र में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अंत्योदय से संतृप्ति विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा और राष्ट्रहित उसकी मूल भावना है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अभियान संगठन की वैचारिक शक्ति को मजबूत करने का माध्यम है, जिससे कार्यकर्ताओं के आचरण, विचार और कार्यशैली में राष्ट्रहित सर्वोपरि बना रहता है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, सांसद अतुल गर्ग, विधान परिषद सदस्य दिनेश गोयल, अभियान संयोजक श्रीचंद शर्मा, कार्यक्रम संयोजक एस.पी. सिंह, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, शहर विधायक संजीव शर्मा, पृथ्वी सिंह कसाना, मानसिंह गोस्वामी, महेश अग्रवाल, विजय गोयल, अजय शर्मा, अशोक मोगा, अमरदत्त शर्मा, रूप चौधरी, वीरेश्वर त्यागी, संजीव सिंघल, सुशील गौतम एवं अशोक नागर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं पहुंचाना ही भाजपा का लक्ष्य : पंकज चौधरी

करंट क्राइम। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आधुनिक तकनीक, संगठनात्मक कार्यशैली और अंत्योदय के सिद्धांत को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की क्षमता विकसित करना इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी राजनीति को सेवा और सुशासन का माध्यम बनाने का कार्य कर रही है। कोरोना काल के सेवा कार्य, स्वच्छ भारत अभियान, स्वस्थ भारत अभियान, नारी सम्मान एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयास अंत्योदय के सिद्धांत को साकार करने वाले उदाहरण हैं। भारतीय जनता पार्टी बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति के उत्थान और कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रशिक्षण वर्ग के वर्ग प्रभारी श्रीचंद शर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण वर्ग में 11 सत्रों के माध्यम से संगठनात्मक कार्यप्रणाली, बूथ सशक्तिकरण, वैचारिक स्पष्टता, राष्ट्रवाद, डिजिटल कार्यप्रणाली, जनसंपर्क एवं कार्यकर्ता विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

समर्पित एवं अनुशासित कार्यकर्ता ही संगठन की ताकत : मयंक गोयल

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का समर्पित एवं अनुशासित कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है और यही शक्ति वर्ष 2027 में पुनः भाजपा की प्रचंड विजय सुनिश्चित करेगी। कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाकर प्रत्येक बूथ को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए संगठन विस्तार के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

डीजल-पेट्रोल को बाय-बाय, नगर निगम अब ई-व्हीकल मोड में

विजयनगर में शुरू हुई ई-व्हीकल पार्किंग, 50 इलेक्ट्रिक कूड़ा कलेक्शन वाहन सड़कों पर उतरे

पहल

प्रदूषण कम करने की दिशा में नगर निगम का बड़ा कदम

गाजियाबाद, करंट क्राइम : देश के प्रधानमंत्री मोदी के पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने और पर्यावरण संरक्षण के आवाहन को आगे बढ़ाते हुए गाजियाबाद नगर निगम अब तेजी से इलेक्ट्रिक व्हीकल की ओर कदम बढ़ा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में विजयनगर क्षेत्र में आधुनिक ई-व्हीकल पार्किंग की शुरूआत की गई है, जहां एक समय में 20 से अधिक इलेक्ट्रिक कूड़ा कलेक्शन वाहनों को चार्ज किया जा सकता है। नगर निगम ने प्रथम चरण में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए 50 नए इलेक्ट्रिक व्हीकल सड़कों पर उतार दिए हैं। इन वाहनों के संचालन से डीजल और पेट्रोल की खपत कम होने के साथ-साथ प्रदूषण पर भी प्रभावी नियंत्रण लगाने की तैयारी की गई है। नगर निगम की यह पहल शहर को स्वच्छ और पर्यावरण को सुरक्षित बनाने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

नगर आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान वरिष्ठ प्रभारी स्वास्थ्य एवं अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। परियोजना में जेएस एनवायरो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का भी विशेष सहयोग रहा। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश ने बताया कि विजयनगर स्थित ई-व्हीकल पार्किंग में एक बार में 20 वाहनों को चार्ज किया जाता है और ये वाहन प्रतिदिन करीब 150 किलोमीटर क्षेत्र में कूड़ा कलेक्शन का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या और बढ़ाई जाएगी। गाजियाबाद नगर निगम की यह पहल केवल स्वच्छता अभियान तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय हित, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की हरित ऊर्जा व्यवस्था की दिशा में भी बड़ा संदेश दे रही है।

बकरीद से पहले बड़ा फेरबदल : पुलिस कमिश्नरेट में 962 टू-स्टार इधर से उधर

सिटी, ग्रामीण और ट्रांस हिंडन जोन में बड़े स्तर पर उपनिरीक्षकों के तबादले

फेरबदल

जल्द आ सकती है चौकी प्रभारियों की नई सूची

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में कानून व्यवस्था को और मजबूत करने और अपराध नियंत्रण को धार देने के उद्देश्य से बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस कमिश्नरेट में 962 उपनिरीक्षकों यानी टू-स्टार दरोगाओं के जोन बदल दिए गए हैं। इस बड़े बदलाव के तहत बड़ी संख्या में उपनिरीक्षकों को सिटी जोन, ग्रामीण जोन और ट्रांस हिंडन जोन में इधर से उधर किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह सिर्फ शुरूआती कदम माना जा रहा है। अब जल्द ही थानों और पुलिस चौकियों पर भी नई तैनाती की जाएगी। माना जा रहा है कि बकरीद से पहले चौकी प्रभारियों की सूची भी जारी हो सकती है, जिससे पूरे कमिश्नरेट में पुलिसिंग का नया ढांचा देखने को मिलेगा।

पुलिस कमिश्नर का कहना है कि गाजियाबाद कमिश्नरेट में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था को अधिक सक्रिय बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। त्योहारों और संवेदनशील परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस प्रशासन किसी भी प्रकार की ढिलाई के मूड में नहीं है। कमिश्नरेट में हुए इस बड़े फेरबदल के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। कई उपनिरीक्षक नई जिम्मेदारियों और नए क्षेत्रों में भेजे गए हैं, जबकि थानों और चौकियों में भी जल्द व्यापक बदलाव की संभावना जताई जा रही है।

3 साल में 4815 आग की घटनाएं, 35 की हुई मौत: भीषण गर्मी में गाजियाबाद बना फायर अलर्ट जोन

अब तक 1095 लोगों की जान बचाने में सफल रहा दमकल विभाग, रोजाना 8 से 9 स्थानों से आ रही आग की सूचनाएं

गाजियाबाद, करंट क्राइम : भीषण गर्मी के साथ गाजियाबाद में आग लगने की घटनाओं ने खतरनाक रूप लेना शुरू कर दिया है। नवंबर 2022 में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू होने के बाद से लेकर मई 2026 तक जनपद में आग लगने की 4815 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं में अब तक 35 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 से अब तक आग की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा मामले गर्मी के मौसम में सामने आए, जहां शॉर्ट सर्किट, गैस रिसाव, फैक्ट्रियों में लापरवाही, कूड़े में आग और बिजली उपकरणों के ओवरलोड होने जैसी वजहें प्रमुख रहीं। दमकल विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अप्रैल और मई के दौरान तापमान 44 डिग्री के पार पहुंचते ही आग की घटनाओं में तेजी आ जाती है। स्थिति यह है कि वर्तमान समय में प्रतिदिन औसतन 8 से 9 स्थानों से आग लगने की सूचनाएं फायर कंट्रोल रूम को मिल रही हैं। इनमें छोटी घटनाओं से लेकर बहुमंजिला इमारतों, फैक्ट्रियों और मॉल में लगने वाली बड़ी आग भी शामिल हैं।

सोसाइटी, फैक्ट्री और मॉल बने चिंता का कारण

करंट क्राइम : हाल के महीनों में इंदिरापुरम की एक सोसाइटी में लगी भीषण आग ने पूरे शहर को हिला दिया था। इसके अलावा विवेकानंद नगर औद्योगिक क्षेत्र, कविनगर, साहिबाबाद और पैसिफिक मॉल क्षेत्र में भी बड़ी आग की घटनाएं सामने आईं। कई घटनाओं में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकांश इमारतों में फायर सेफ्टी उपकरण या तो खराब हैं या उनका समय पर रखरखाव नहीं किया जाता। औद्योगिक क्षेत्रों में ज्वलनशील पदार्थों के बीच सुरक्षा मानकों की अनदेखी भी हादसों की बड़ी वजह बन रही है। लगातार बढ़ रही घटनाओं के चलते फायर स्टेशन और दमकल कर्मियों पर भी दबाव बढ़ गया है। कई बार एक साथ अलग-अलग क्षेत्रों में आग लगने की सूचना आने पर संसाधनों की चुनौती खड़ी हो जाती है। इसके बावजूद दमकल विभाग लगातार रेस्क्यू और राहत कार्य में जुटा हुआ है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि गर्मी के मौसम में लोग विशेष सतर्कता बरतें। बिजली उपकरणों को लगातार चालू न रखें, गैस सिलेंडर की नियमित जांच कराएं और इमारतों में फायर सेफ्टी सिस्टम को सक्रिय रखें। छोटी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

गर्मी में आग से बचाव के लिए बरतें ये सावधानियां

- घर और दुकानों में ओवरलोड बिजली कनेक्शन न चलाएं।
- पुराने और कटे हुए बिजली तार तुरंत बदलवाएं।
- एसी, कूलर और फ्रिज को लगातार लंबे समय तक चालू न रखें।
- गैस सिलेंडर और पाइप की नियमित जांच करें।
- फैक्ट्री और गोदामों में अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से रखें।
- ज्वलनशील पदार्थ खुले में न रखें और कूड़े में आग लगाने से बचें।
- बच्चों को माचिस और लाइटर से दूर रखें।
- बहुमंजिला इमारतों में फायर एग्जिट हमेशा खुला रखें।
- किसी भी घटना पर तुरंत फायर कंट्रोल रूम को सूचना दें।

इन कारणों से बढ़ रही आग की घटनाएं

- भीषण गर्मी में बिजली उपकरणों का ओवरहीट होना।
- शॉर्ट सर्किट की बढ़ती घटनाएं।
- अवैध और असुरक्षित बिजली कनेक्शन।
- फैक्ट्रियों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी।
- कूड़े और सूखी घास में लगने वाली आग।
- गैस रिसाव और सिलेंडर विस्फोट।
- बहुमंजिला इमारतों में खराब फायर सिस्टम।
- भीड़भाड़ वाले बाजारों में अव्यवस्थित वायरिंग।
- गर्म हवाओं के कारण आग का तेजी से फैलना।

आग से सुरक्षा में लापरवाही पर सख्ती, जारी हो रहे नोटिस

करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में आग से होने वाली घटनाओं को रोकने और जनहानि कम करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि मॉल, अस्पताल, स्कूल, सोसायटी, आवासीय क्षेत्रों और कमर्शियल भवनों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जिन स्थानों पर फायर सेफ्टी उपकरणों की कमी, खराब व्यवस्था या सुरक्षा मानकों में लापरवाही मिल रही है, वहां संबंधित संचालकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। फायर विभाग द्वारा फायर एक्सटिंग्विशर, अलार्म सिस्टम, इमरजेंसी एग्जिट और हाइड्रेंट जैसी व्यवस्थाओं की जांच की जा रही है। राहुल पाल ने कहा कि भवन संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि आग से बचाव के सभी संसाधन अनिवार्य रूप से दुरुस्त रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में समय रहते आग पर काबू पाया जा सके। विभाग ने लोगों से अपील की है कि फायर सेफ्टी नियमों का पालन करें और सुरक्षा के प्रति लापरवाही न बरतें।

1095 लोगों को सुरक्षित निकाल बचाई जान

करंट क्राइम : आग की घटनाओं के बीच राहत की बात यह रही कि अग्निशमन विभाग ने अपनी जान जोखिम में डालकर अब तक 1095 लोगों का रेस्क्यू किया है। दमकल कर्मियों ने कई मौकों पर धुएं और आग की लपटों के बीच फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम किया। विभागीय आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष जनवरी में 5 लोगों की जान बचाई गई, जबकि फरवरी और मार्च में संयुक्त रूप से लगभग 320 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। अप्रैल और मई में भी 50 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया।

24 May -26 page 2 23-05-26 9:22 PM Page 1

मोदी से मिले रूबियो: व्यापार और सुरक्षा संबंधों पर हुई चर्चा की, पीएम को व्हाइट हाउस आने का दिया न्योता

नई दिल्ली। चार दिवसीय भारत दौरे पर आए अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं के बीच व्यापार, सुरक्षा संबंधों समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री ने पीएम मोदी को व्हाइट हाउस आने का भी न्योता दिया। इससे पहले रूबियो शनिवार पहले कोलकाता पहुंचे फिर दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को व्हाइट हाउस आने का औपचारिक आमंत्रण दिया है। उन्होंने बताया कि यह निमंत्रण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से विदेश मंत्री मार्को रूबियो के माध्यम से भेजा गया है। सर्जियो गोर के अनुसार, पीएम मोदी और मार्को रुबियो के बीच हुई बातचीत काफी सकारात्मक और रचनात्मक रही। इस दौरान दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई।

दिल्ली में कई अहम कार्यक्रमों में शामिल होंगे रुबियो
राजधानी दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लेंगे। वह अमेरिकी दूतावास सपोर्ट एनेक्स बिल्डिंग के उद्घाटन समारोह को संबोधित करेंगे और अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर द्वारा आयोजित रूजवेल्ट हाउस रिसेप्शन में भी शामिल होंगे।

जयशंकर के साथ होगी द्विपक्षीय वार्ता

मार्को रुबियो रविवार को भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, निवेश, महत्वपूर्ण तकनीक और जन-जन के संबंधों को मजबूत करने पर विशेष चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति जैसे अहम अंतरराष्ट्रीय मुद्दे भी बातचीत का हिस्सा रहेंगे।

क्वाड बैठक पर वैश्विक नजरें

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत 26 मई को क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा। इस बैठक में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक एक स्वतंत्र और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस बैठक को क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

पिछले साल पदभार संभालने के बाद रूबियो की यह पहली भारत यात्रा है। वे शनिवार सुबह शहर में उतरे और पहुंचने पर वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। अमेरिकी विदेश मंत्री इस दौरे के दौरान आगरा और जयपुर सहित भारत के कई शहरों की यात्रा करेंगे।

सीमा पर बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश आमने-सामने, तारबंदी करने से रोकने पर फैला तनाव

चेंगड़ाबांधा। भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक बार फिर तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया है। तीनबीघा कारिडोर से सटे दहग्राम-अंगारपोटा सीमा क्षेत्र में कंटीले तार की बाड़ लगाने को लेकर शुक्रवार को अचानक स्थिति गर्मा गई।

आरोप है कि सीमा पर जमीन मापने का कार्य शुरू होते ही बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने आपत्ति जताई, जिसके परिणामस्वरूप पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया। सूत्रों के अनुसार, मेखलीगंज ब्लाक के सीमावर्ती खुले इलाकों में तारबंदी पूरी करने के लिए लगभग 105 एकड़ जमीन अधिग्रहण की आवश्यकता है।

इनमें से लगभग 80 एकड़ जमीन भारत के भीतर स्थित बांग्लादेशी छिटमहल दहग्राम-अंगारपोटा इलाके में आती है। इसी प्रक्रिया के तहत शुक्रवार को भूमि एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारी जमीन मालिकों की मौजूदगी में जमीन की माप-जोख कर रहे थे। तभी कुछ बांग्लादेशी नागरिकों और बीजीबी जवानों ने इस कार्य पर आपत्ति जताई, जिससे सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई।

हालांकि, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने संयम बरतते हुए हालात को संभाला और किसी बड़े टकराव को टाल दिया। वही घटना के बाद शनिवार को विधायक दधिराम राय खुद सीमा क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे। उन्होंने बीएसएफ अधिकारियों के साथ बैठक की।

इस दौरान सीमा पर बीएसएफ और बीजीबी के बीच फ्लैग मीटिंग भी हुई। बैठक में बीएसएफ की 174वीं बटालियन के कमांडिंग आफिसर विनोद सिंह तथा बीजीबी की ओर से नाजियुर रहमान समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

घटना के बाद सीमावर्ती गांवों के लोगों में भी नाराजगी देखने को मिली। स्थानीय निवासी विष्णुपद राय और जयनाथ राय ने कहा कि भारतीय जमीन पर विकास कार्य करने में बार-बार अड़चने पैदा की जा रही है। उनका कहना था कि शुक्रवार को भी भारत की जमीन पर काम रोका गया। लेकिन बीएसएफ ने बेहद धैर्य और समझदारी से हालात संभाले।

प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि सीमा पर घुसपैठ, तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए तेजी से तारबंदी का कार्य पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जा सकती है।

बैठक के बाद विधायक दधिराम राय ने कड़े तेवर दिखाते हुए कहा कि राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार अगले 45 दिनों के भीतर कंटीले तार की बाड़ लगाने का कार्य पूरा करना होगा। देश की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अगर बांग्लादेश की ओर से किसी तरह की बाधा आती है तो उसका सख्ती से सामना किया जाएगा।

गिरता रुपया, मंहगा तेल, मजबूत डॉलर और झुलसता हुआ भारत

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक चाहता है कि 100 रुपया प्रति डॉलर की स्थिति न आए। भारत सरकार की इच्छा भी यही है। हालांकि अर्थशास्त्री और वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया इसे बस एक नंबर गेम का भ्रम मानकर रिजर्व बैंक को संयम बरतने की सलाह दे रहे हैं। आइए जानते हैं कि गिरता रुपया, मंहगा तेल, मजबूत डॉलर के बीच में भारत कब तक झुलसेगा?

जब दुनिया में तेल मंहगा था, रूस भारत को सस्ता तेल दे रहा था। भारत अपने हित से जोड़कर इसे ले रहा था। लेकिन बाद में अमेरिका को साधने के लिए भारत ने ये खरीद कम कर दी। रूस भारत का पुराना सामरिक और रणनीतिक साझीदार देश है। कई विपरीत मौकों पर उसने भारत का साथ दिया है। भारत ने अमेरिका के विरोध को दर किनार कर उससे एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणाली का सौदा और रक्षा संबंध को जारी रखा है। भारत, चीन, रूस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका ने मिलकर ब्रिक्स फोरम को मजबूती दी है और इसमें ईरान समेत तमाम देश जुड़े हैं। एससीओ में भी भारत साथ है। हालांकि रंजीत कुमार और पूर्व एयर वाइस मार्शल एनबी सिंह कहते हैं कि पश्चिम एशिया संकट के बाद से ईरान बहुत तेजी से उभरा है। अब वह ब्रिक्स में भी मजबूत स्थान रख सकता है। इसके सामानांतर चीन और रूस इस समय अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूत बॉडिंग का संदेश दे रहे हैं। चीन से भारत प्रतिस्पर्धी संबंध रखता है। चीन हिन्द महासागरीय क्षेत्र में विस्तार की नीति पर लगातार काम कर रहा है।

भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान का फोरम क्वॉड है। 23 से 26 मई के बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत आ रहे हैं। इस दौरान क्वॉडको लेकर चर्चा होगी। जब भारत राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ से त्रस्त था तो इसने ब्रिक्स फोरम पर थोड़ी ऊर्जा दिखाई। ब्रिक्स ने डॉलर के बजाय अपनी मुद्रा में काम करने की इच्छा शक्ति दिखाई और इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ब्रिक्स की आलोचना पर उतर आए। हालांकि भारत की विदेश नीति लगातार तटस्थ रहने की रही है। भारत नॉन एलाइग्न मूवमेंट का अगुआ देश रहा है, लेकिन इस समय समीकरण साधने में चुनौती आ रही है। इसमें सबसे बड़ा संकट ऊर्जा सुरक्षा का है।

पाकिस्तान से भारत की पारंपरिक दुश्मनी है। दोनों देशों के बीच में अगस्त 2014 से अब तक कोई विदेश सचिव स्तरीय वार्ता नहीं हो पाई है। चीन के साथ लद्दाख में गतिरोध बना है। मालदीव के साथ संबंध बहुत बेहतर नहीं हैं। बांग्लादेश के साथ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से खराब चल रहे हैं। नेपाल में बालेन शाह सरकार के साथ संबंध को पटरी पर लाने की कोशिश हो रही है। इस तरह से भारत को अंतरराष्ट्रीय मोर्चे के साथ-साथ क्षेत्रीय मोर्चे पर भी जूझना पड़ता है।

भारत के निवेशक विदेश में पैसा लगा रहे हैं। विदेश के निवेशक डॉलर के मजबूत होने और परिस्थितियां बदलने के बाद अमेरिका की ओर रुख कर रहे हैं। यह अर्थव्यवस्था के लिए झटका है। देश के राज्य मुफ्त की रेवड़ी बांटकर सत्ता में बने रहने की नीति को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके लिए ऊंची ब्याज दर पर कर्ज लेना जरूरत बन रही है। भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत ईंधन तेल आयात करता है और भारत को उसकी जरूरत देखकर कोई देश सस्ता तेल देने के लिए तैयार नहीं है। समस्या यहीं नहीं है, होर्मुज में नाकेबंदी और खाड़ी देश से गैस और तेल की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है।

व्यापार से टेक्नोलॉजी तक, भारत-कनाडा रिश्तों को नई दिशा देने कनाडा जाएंगे पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भारतीय उद्योग जगत के प्रतिनिधिमंडल के साथ शनिवार शाम कनाडा दौरे पर जाएंगे। वे 25 मई को ओटावा और 26 से 27 मई तक टोरंटो में विभिन्न कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। केंद्रीय मंत्री गोयल का यह दौरा मार्च 2026 में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा तय किए गए एजेंडे को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। यात्रा के दौरान व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर जोर रहेगा।।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल कनाडा के समकक्षों के साथ कई प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में चर्चा करेगा। इनमें प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्वच्छ ऊर्जा और क्रिटिकल मिनरल्स, फार्मास्युटिकल्स और बायोटेक्नोलॉजी, एयरोस्पेस और रक्षा, तथा फूड प्रोसेसिंग और एग्री-टेक शामिल हैं। साथ ही संयुक्त निवेश, अनुसंधान एवं विकास और सप्लाई चेन साझेदारी की संभावनाओं पर भी जोर रहेगा। केंद्रीय मंत्री के इस दौरे का मकसद भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता वार्ता को आगे बढ़ाना रहेगा। मार्च 2026 में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा के दौरान इसके लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर हस्ताक्षर किए गए थे।पहला दौर मार्च 2026 में वर्चुअल माध्यम से आयोजित हुआ था, जबकि दूसरा दौर 8 मई 2026 को संपन्न हुआ।

विजय सरकार का बड़ा फैसला, कई अहम विभागों के 100 से अधिक शॉर्ट-टर्म टेंडर रद्द

चेन्नई। तमिलनाडु की नई सरकार ने प्रशासनिक कामकाज में सुधार के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार ने विभिन्न विभागों के 100 से अधिक 'शॉर्ट-टर्म टेंडर' (कम समय वाले टेंडर) रद्द कर दिए हैं। इनमें लोक निर्माण, बिजली, ग्रामीण विकास और नगर प्रशासन जैसे कई महत्वपूर्ण विभाग शामिल हैं। सरकार ने यह फैसला प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सख्त बनाने और सरकारी कामों में पारदर्शिता लाने के लिए लिया है।

शॉर्ट-टर्म टेंडर क्या है?

आमतौर पर शॉर्ट-टर्म टेंडर तब जारी किए जाते हैं जब कोई काम बहुत जरूरी हो या आपातकालीन स्थिति हो। इसमें बोली लगाने का समय कम कर दिया जाता है ताकि काम जल्दी शुरू हो सके। हालांकि, 'तमिलगा वेट्री कजगम' (ळश्ङ) की सरकार ने सत्ता संभालने के बाद यह नीति बनाई थी कि बहुत जरूरी परिस्थितियों को छोड़कर शॉर्ट-टर्म टेंडर का रास्ता नहीं अपनाया जाना चाहिए। इसी नीति पर अमल करते हुए सरकार ने कम समय सीमा वाले टेंडरों की व्यापक समीक्षा शुरू की है।

इस कार्रवाई के तहत पिछले कुछ हफ्तों में जारी किए गए कई टेंडर वापस ले लिए गए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 13 मई से 22 मई के बीच अलग-अलग विभागों में जारी किए गए टेंडरों की पहचान की गई और उन्हें रद्द कर दिया गया। प्रभावित विभागों में ग्रामीण विकास, परिवहन, लोक निर्माण विभाग, बिजली विभाग, चेन्नई कॉर्पोरेशन, नगर प्रशासन और जल आपूर्ति विभाग शामिल हैं। अधिकारियों ने इन टेंडरों को रद्द करने का कारण प्रशासनिक बताया है।

अधिकारियों पर हुई कार्रवाई

सरकार ने नियमों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की है। चेन्नई कॉर्पोरेशन और ग्रामीण विकास विभाग के उन अधिकारियों को निलंबित (सस्पेंड) कर दिया गया है, जिन्होंने निर्देशों के बावजूद कथित तौर शॉर्ट-टर्म टेंडर की प्रक्रिया आगे बढ़ाई थी। इस अनुशासनात्मक कार्रवाई से सरकार ने साफ कर दिया है कि खरीद नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

इस कदम को नई सरकार द्वारा किए जा रहे व्यापक प्रशासनिक सुधारों का एक हिस्सा माना जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक व्यय पर निगरानी बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी ठेकों की प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी हो। अधिकारियों ने संकेत दिया कि भविष्य में होने वाली खरीद संबंधी गतिविधियों पर और भी कड़ी नजर रखी जाएगी, ताकि निर्धारित प्रक्रियाओं में किसी भी तरह से नियमों का उल्लंघन न हो।

कोकरोज जनता पार्टी को मिला सोनम वांगचुक का समर्थन

खुद को बताया 'मानद कॉकरोच', सरकार से की युवाओं की आवाज सुनने की अपील

नई दिल्ली। पर्यावरणविद और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के ऑनलाइन आंदोलन का समर्थन किया है। उन्होंने खुद को इस आंदोलन का 'मानद कॉकरोच' बताया है। वांगचुक ने सरकार से अपील की है कि वह युवाओं की डिजिटल अभिव्यक्ति को दबाने के बजाय उनकी चिंताओं पर ध्यान दे और उनसे बात करे। यह ऑनलाइन अभियान व्यंग्य और कॉकरोच के प्रतीक का उपयोग करता है। यह आंदोलन बेरोजगारी, पेपर लीक और सार्वजनिक जवाबदेही जैसे मुद्दों पर आधारित है। इस अभियान के संस्थापकों का दावा है कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट बंद किए जा रहे हैं और उन्हें हैक करने की कोशिश हो रही है।

एक इंटरव्यू में वांगचुक ने कहा कि इस अभियान को लोकतंत्र में एक फीडबैक की तरह देखना चाहिए, न कि किसी खतरे के रूप में। उन्होंने कहा, 'मैं युवाओं की इस रचनात्मकता से बहुत प्रभावित हूं। सरकार को संदेश समझना चाहिए और संदेश देने वाले को खत्म नहीं करना चाहिए। अगर हम संदेश देने वाले को खत्म करेंगे, तो संदेश खत्म नहीं होगा।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस आंदोलन में शामिल होंगे, तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इसके सदस्य बनने की योग्यता नहीं रखते। उन्होंने कहा, 'मुझसे कई लोगों ने इस पर बोलने के लिए कहा है। कुछ कह रहे हैं कि मुझे सदस्य बनना चाहिए। मुझे लगता है कि मैं इसके लायक नहीं हूं क्योंकि मैं न तो बेरोजगार हूं और न ही आलसी। इसलिए मैं सदस्य तो नहीं हूं, लेकिन खुद को एक मानद कॉकरोच मानता हूं।'

जैसे प्रधानमंत्री या मंत्रियों के कार्टून बनाने पर किसी को सजा नहीं दी जाती, वैसे ही यह भी एक व्यंग्य है। इसे सरकार को सकारात्मक रूप से देखना चाहिए।

वांगचुक ने इसकी तुलना अखबारों में छपने वाले कार्टूनों से की। उन्होंने कहा कि जैसे प्रधानमंत्री या मंत्रियों के कार्टून बनाने पर किसी को सजा नहीं दी जाती, वैसे ही यह भी एक व्यंग्य है। इसे सरकार को सकारात्मक रूप से देखना चाहिए। उन्होंने युवाओं की तारीफ करते हुए कहा कि भारत के युवाओं ने विरोध के लिए हिंसा या पत्थरों के बजाय डिजिटल रचनात्मकता को चुना है। यही चीजें भारत को 'विश्वगुरु' बनाती हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि ऑनलाइन आवाज दबाने से युवाओं में गुस्सा बढ़ सकता है। उन्होंने नेपाल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां इंटरनेट बंद करने और अभिव्यक्ति रोकने से युवा सड़कों पर उतर आए थे और स्थिति हिंसक हो गई थी। वांगचुक ने कहा कि पेपर लीक जैसे मुद्दे गंभीर हैं और कई देशों में ऐसे मुद्दों पर मंत्री इस्तीफा दे देते हैं।

उन्होंने सरकार से अपील की कि वह युवाओं को किसी कोने में न धकेले। साथ ही उन्होंने युवाओं से भी कहा कि वे हमेशा शांतिपूर्ण रहें और कभी भी हिंसा का रास्ता न अपनाएं। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज अभी सुनी जानी चाहिए ताकि उनका गुस्सा सड़कों पर न आए।

तेलंगाना में लू के कारण 16 लोगों की मौत, राजस्व मंत्री ने दिया यह आदेश

तेलंगाना। तेलंगाना में लू के कारण 16 लोगों की मौत हो गई है। यह जानकारी तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने शनिवार को दी। रेड्डी ने लू के कारण उत्पन्न स्थिति पर अधिकारियों के साथ बैठक की और बताया कि राज्य के सात जिलों में 16 मौतें हुई हैं।उन्होंने जिला कलेक्टरों की ओर से मिले रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि जयशंकर भूपालपल्ली जिले में चार लोगों की मौत हुई। इसके बाद वारंगल अर्बन, करीमनगर और निजामाबाद में तीन-तीन और जोगुलम्बा गडवाल, रंगा रेड्डी और सूर्यापेट में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, सरकार मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देगी।

लू से बचने के लिए दिया यह आदेश

राजस्व मंत्री ने अधिकारियों को उन गांवों की पहचान करने का निर्देश दिया जहां अधिक तापमान दर्ज किया जा रहा है। उन गांवों को मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से गर्मी के बारे में चेतावनी भेजने को कहा। उन्होंने कहा कि पीने का पानी, छाछ, ओआरएस के पैकेट बस स्टेशनों, बाजारों, प्रमुख सड़कों और उन स्थानों पर उपलब्ध कराए जाने चाहिए जहां बड़ी संख्या में मजदूर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी के कारण होने वाली जानमाल की हानि को रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। मंत्री ने आग्रह किया कि वरिष्ठ नागरिक, गर्भवती महिलाएं, बच्चे और अस्वस्थ लोग सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच अपने घरों से बाहर न निकलें। उन्होंने जिला कलेक्टरों को लू की स्थिति पर विशेष रूप से नजर रखने का निर्देश दिया और मंडल से लेकर गांव स्तर तक के सरकारी कर्मचारियों को गर्मी से राहत के उपायों के तहत जमीनी स्तर पर मौजूद रहने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रशासन को मानव जीवन के साथ-साथ गांवों में जानवरों और पक्षियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था भी करनी चाहिए।

पश्चिम बंगाल: भर्ती परीक्षाओं को लेकर सरकार का बड़ा एलान, परीक्षार्थियों को मिलेगी ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सरकार परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब से परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

मुख्यमंत्री अधिकारी ने मध्य कोलकाता के सियालदह में सरकार की ओर से आयोजित एक रोजगार मेले में यह घोषणा की। उन्होंने कहा, हर युवा उम्मीदवार को कार्बन कॉपी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। अब तक, भले ही परीक्षाएं ओएमआर प्रणाली से आयोजित की जाती थीं, कार्बन कॉपी नहीं दी जाती थीं। भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार जैसे शब्द यहीं से पैदा होते हैं। इसलिए अब से कार्बन कॉपी उपलब्ध कराई जाएगी।

'पश्चिम बंगाल पूरे देश में बदनाम हो गया'

आज रोजगार मेले में मुख्यमंत्री ने दावा किया, 'पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान लगातार भर्ती भ्रष्टाचार के कारण पश्चिम बंगाल पूरे देश में बदनाम हो गया है।' उन्होंने यह भी कहा कि नई सरकार के तहत एक नई भर्ती नीति लागू की जाएगी। राज्य सरकार संभवत अगले बजट सत्र में ही इस प्रस्ताव को राज्य विधानसभा में प्रस्तुत कर सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'राज्य सरकार प्रतिभावान लोगों को पारदर्शिता के साथ रोजगार के अवसर देगी। लिखित परीक्षा, शैक्षणिक स्कोर या मौखिक परीक्षा में कोई अतिरिक्त अंक नहीं दिए जाएंगे और यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी।' उन्होंने यह भी कहा कि मौखिक परीक्षा में न्यूनतम अंक निर्धारित किए जाने चाहिए। पिछली सरकार के कार्यकाल में मौखिक परीक्षा में भाई-भतीजावाद के आरोप लगे थे। यहां तक कि अयोग्य उम्मीदवारों को भी मौखिक परीक्षा में अतिरिक्त अंक प्राप्त करके नौकरी पाने का मौका मिल गया था।

इस आरोप को ध्यान में रखते हुए, सरकार मौखिक परीक्षा में न्यूनतम अंक निर्धारित करने का निर्णय लेने जा रही है। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार के कार्यकाल में सरकारी भर्ती परीक्षाओं में संविधान का पालन नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया, 'अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षण में भी नियमों का पालन नहीं किया गया।'

उन्होंने आगे कहा कि हमारा एकमात्र लक्ष्य 100 प्रतिशत भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती प्रक्रिया को लागू करना है। पश्चिम बंगाल की भर्ती प्रणाली 26,000 शिक्षण पदों को रद्द करने और अयोग्य लोगों को पैसे के बदले एक के बाद एक अवसर दिए जाने के कारण पूरी तरह से गड़बड़ा गई है। शुभेंदु ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार को देखते हुए रेलवे और अर्धसैनिक बलों जैसी केंद्र सरकार की एजेंसियां भी भर्ती प्रक्रिया में सतर्क हो गई थीं। हालांकि, डबल इंजन वाली सरकार के कार्यकाल में अधिकारी ने व्यावहारिक रूप से भ्रष्टाचार मुक्त रोजगार की गारंटी दी थी।

त्विषा शर्मा मौत मामले में भोपाल कोर्ट का बड़ा फैसला आरोपी समर्थ सिंह सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया

मीडिया से बचते हुए समर्थ सिंह को मेडिकल जांच के लिए भेजा
भोपाल पुलिस मीडिया से बचते हुए समर्थ सिंह को मेडिकल जांच के लिए जेपी अस्पताल ले गई। इसके बाद दोपहर करीब पौने तीन बजे उसे सीधे भोपाल जिला अदालत पहुंचाया गया। यहां भी पुलिस ने मीडिया से बचाने के लिए आरोपी को अदालत के पीछे स्थित गेट नंबर-3 से अंदर प्रवेश कराया। पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने बताया कि दहेज हत्या मामले के विभिन्न पहलुओं, मायके पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों और जांच में शामिल अन्य बिंदुओं को लेकर पूछताछ के लिए समर्थ सिंह को रिमांड पर लिया गया है।

भोपाल। त्विषा शर्मा केस में आरोपी पति समर्थ सिंह को शनिवार को भोपाल जिला कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने समर्थ की 7 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली। वहीं, त्विषा के परिजनों की ओर से दिए गए आवेदन पर कोर्ट ने समर्थ का पासपोर्ट जब्त करने के भी आदेश दिए हैं।

पुलिस ने क्या कहा था?

बता दें कि त्विषा शर्मा के पति समर्थ सिंह को पुलिस हिरासत में लिए जाने पर भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने कहा कि सबसे पहले उनका मेडिकल कराया जाएगा और कोर्ट से पीआर (पर्सनल रिकॉग्निजेंस बॉन्ड) लिया जाएगा। हम सात दिन की रिमांड मांगेंगे। उन्हें देर रात लाया गया था, इसलिए कुछ प्रक्रियाओं में समय लग रहा है। आगे उनसे पूछताछ की जाएगी, उसके बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

भोपाल पुलिस कमिश्नर ने कहा कि जब उनसे विस्तार से पूछताछ होगी और यदि यह सामने आता है कि फरारी के दौरान किसी ने उन्हें शरण दी थी, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, वह जबलपुर कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचे थे, लेकिन कोर्ट ने उन्हें सरेंडर करने की अनुमति नहीं दी। इस बीच मेरी टीम भी वहां मौजूद थी। इसके बाद मेरी टीम ने जबलपुर पुलिस की मदद से उन्हें हिरासत में ले लिया।

मेकअप का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया

त्विषा शर्मा के आखिरी मेकअप का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें वह ससुराल के पास स्थित एक ब्यूटी पार्लर में तैयार होती नजर आ रही है। वीडियो में वह सामान्य और रिलैक्स दिखाई दे रही है। पुलिस ने फुटेज जब्त कर लिया है। ब्यूटी पार्लर त्विषा के ससुराल से करीब 100 मीटर दूर बताया गया है। उधर, भोपाल के कटारा हिल्स स्थित त्विषा के घर के उस हिस्से की तस्वीर भी सामने आई है, जहां उसका शव मिला था।

24 May -26 page 3 23-05-26 10:13 PM Page 1

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

वीवीआईपी ग्रुप के सीएमडी प्रवीण त्यागी : गाजियाबाद की बदलती तस्वीर के पीछे खड़ा वो नाम, जिसने कारोबार, रिश्तों और सामाजिक प्रभाव को बनाया अपनी असली पहचान

पिता के आदर्शों पर आगे बढ़ती नई पीढ़ी, ऊंची इमारतों के सपनों से लेकर सामाजिक सरोकार और क्रिकेट तक हर मंच पर दिखाई देती वीवीआईपी परिवार की सक्रियता

करंट क्राइम शख्सियत

गाजियाबाद कभी सिर्फ दिल्ली से सटे एक शहर के रूप में जाना जाता था, लेकिन पिछले दो दशकों में इस शहर की पहचान तेजी से बदली है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, नए आवासीय प्रोजेक्ट, एक्सप्रेसवे और आधुनिक जीवनशैली ने शहर की तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया। इस बदलते दौर में कुछ चेहरे ऐसे उभरे जिन्होंने सिर्फ कारोबार नहीं किया, बल्कि शहर के विकास की कहानी का हिस्सा बन गए। उन्हीं नामों में सबसे प्रमुख नाम है – वीवीआईपी ग्रुप के सीएमडी प्रवीण त्यागी। आज गाजियाबाद और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वीवीआईपी ग्रुप का नाम सिर्फ एक रियल एस्टेट ब्रांड नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली पहचान के रूप में देखा जाता है। लेकिन इस पहचान की कहानी सिर्फ ऊंची इमारतों या बड़े प्रोजेक्ट्स तक सीमित नहीं है। यह कहानी उस व्यक्ति की भी है जिसने जमीन से उठकर अपने विजन, व्यवहार और रिश्तों के दम पर एक बड़ा समूह खड़ा किया। करीबी लोग कहते हैं कि प्रवीण त्यागी की सबसे बड़ी ताकत सिर्फ कारोबार नहीं, बल्कि लोगों से जुड़ने की कला रही है। यही वजह है कि कारोबारी दुनिया से लेकर सामाजिक और राजनीतिक हलकों तक उनका नाम अलग सम्मान के साथ लिया जाता है।

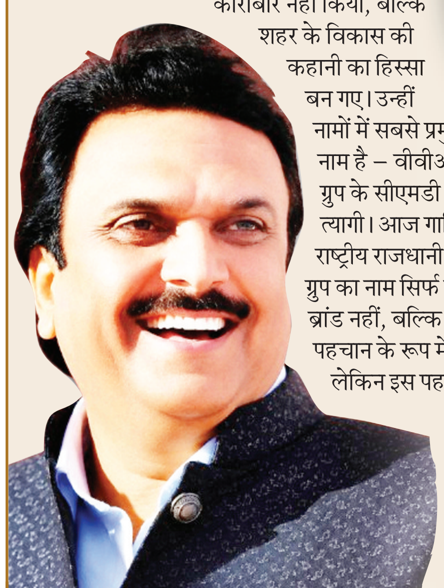

कारोबारी दुनिया से लेकर सामाजिक और राजनीतिक हलकों तक प्रवीण त्यागी का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है

छोटे सफर से बड़े मुकाम तक हासिल की बड़ी-बड़ी उपलब्धियां

कहा जाता है कि हर बड़ी कहानी की शुरूआत छोटे कदमों से होती है। प्रवीण त्यागी की यात्रा को भी लोग कुछ इसी नजर से देखते हैं। सिविल इंजीनियरिंग की पृष्ठभूमि से आने वाले प्रवीण त्यागी ने आधारभूत संरचना और निर्माण क्षेत्र में लंबे अनुभव के बाद वीवीआईपी ग्रुप की नींव रखी। धीरे-धीरे समूह ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। राजनगर एक्सटेंशन, नोएडा एक्सटेंशन, सिद्धार्थ विहार और यमुना एक्सप्रेसवे जैसे इलाकों में समूह के प्रोजेक्ट्स ने कंपनी को नई ऊंचाई दी। वीवीआईपी होम्स, वीवीआईपी मंगल, वीवीआईपी नमः और हाल ही में चर्चित वीवीआईपी एड्रेसेज जैसे प्रोजेक्ट्स ने समूह को लक्जरी ऊंची आवासीय परियोजनाओं की श्रेणी में स्थापित किया। इसी कड़ी में वीवीआईपी यमुना प्रोजेक्ट भी समूह की बड़ी योजनाओं का हिस्सा माना जा रहा है। यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रहे इस प्रोजेक्ट को भविष्य की आधुनिक टाउनशिप अवधारणा से जोड़कर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि आने वाले वर्षों में यह प्रोजेक्ट समूह की सबसे चर्चित पहचान में शामिल होगा। रियल एस्टेट जगत से जुड़े लोग मानते हैं कि प्रवीण त्यागी ने समय के साथ बाजार की बदलती जरूरतों को समझा। जहां पहले मध्यम वर्गीय आवासीय योजनाओं पर ध्यान था, वहीं अब समूह प्रीमियम और लक्जरी जीवनशैली आधारित परियोजनाओं की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

गाजियाबाद से लेकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक मजबूत नेटवर्क

गाजियाबाद में शायद ही कोई बड़ा कारोबारी, सामाजिक या सार्वजनिक आयोजन हो जहां वीवीआईपी ग्रुप या प्रवीण त्यागी का नाम चर्चा में न आता हो। लोग मानते हैं कि उनकी सबसे बड़ी ताकत उनका विशाल नेटवर्क है। प्रशासनिक हलकों से लेकर सामाजिक संगठनों और कारोबारियों तक, हर वर्ग में उनकी पहुंच मानी जाती है। करीबी लोग बताते हैं कि प्रवीण त्यागी बड़े मंचों पर जितने सहज दिखाई देते हैं, उतने ही सहज छोटे व्यक्तिगत संबंधों में भी रहते हैं। यही कारण है कि कई लोग उन्हें 'यारों के यार' कहकर संबोधित करते हैं।

पिता के आदर्शों पर आगे बढ़ते वैभव और विभोर

हर सफल परिवार की असली पहचान तब बनती है जब अगली पीढ़ी उस विरासत को आगे बढ़ाए। वीवीआईपी ग्रुप में आज वैभव त्यागी और विभोर त्यागी नई पीढ़ी के प्रतिनिधि माने जाते हैं। नई तकनीक, आधुनिक वास्तुकला और लक्जरी वर्ग पर उनकी पकड़ ने समूह को नई दिशा दी है। लेकिन परिवार के करीब रहने वाले लोग कहते हैं कि आधुनिक सोच के बावजूद दोनों ने अपने पिता के संस्कारों और कार्यशैली को कभी पीछे नहीं छोड़ा। लोगों से जुड़े रहना, रिश्तों को निभाना और सामाजिक उपस्थिति बनाए रखना — यह शैली आज भी परिवार की पहचान मानी जाती है।

सिर्फ बिल्डर नहीं, सामाजिक चेहरा भी

प्रवीण त्यागी की पहचान का दूसरा बड़ा पक्ष उनकी सामाजिक सक्रियता है। धार्मिक आयोजनों, सामुदायिक कार्यक्रमों, सामाजिक सहयोग और जनसंपर्क वाले मंचों पर उनकी मौजूदगी लगातार दिखाई देती है। त्यागी समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों में उनकी भूमिका को प्रभावशाली माना जाता है। कई बार वे आयोजनों में सिर्फ अतिथि नहीं, बल्कि सहयोगकर्ता और संरक्षक की भूमिका में भी नजर आते हैं। लोग कहते हैं कि यही कारण है कि उनकी छवि सिर्फ कारोबारी व्यक्ति की नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से जुड़े हुए चेहरे की भी बनी।

प्रवीण त्यागी ने क्रिकेट में भी बनाई अलग पहचान

पिछले कुछ वर्षों में अनुभवी क्रिकेट और इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग जैसी गतिविधियों के कारण प्रवीण त्यागी का नाम खेल जगत में भी तेजी से चर्चा में आया। अनुभवी क्रिकेट को नए स्तर पर ले जाने और पुराने खिलाड़ियों को मंच देने के प्रयासों में उनका नाम प्रमुखता से सामने आया। क्रिकेट जगत में उन्हें ऐसे आयोजक के रूप में देखा गया जिसने खेल को सिर्फ प्रतियोगिता नहीं, बल्कि जुड़ाव और सम्मान का मंच बनाया। थाईलैंड जैसे विदेशी स्थलों तक अनुभवी क्रिकेट गतिविधियों को पहुंचाने की चचाएं भी उनके नाम के साथ जुड़ीं।

नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ता वीवीआईपी ग्रुप

हाल ही में शुरू हुए वीवीआईपी एड्रेसेज जैसे ऊंचे आवासीय प्रोजेक्ट्स ने यह संकेत दिया है कि समूह अब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लक्जरी आवासीय क्षेत्र में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा चुका है। यमुना एक्सप्रेसवे और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में समूह की बढ़ती गतिविधियां भविष्य की बड़ी योजनाओं की ओर इशारा करती हैं। रियल एस्टेट विशेषज्ञ मानते हैं कि वीवीआईपी ग्रुप आज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बड़े और प्रभावशाली रियल एस्टेट समूहों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। समूह ने सिर्फ निर्माण कार्यों तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि आधुनिक जीवनशैली, ऊंची आवासीय परियोजनाओं और बड़े स्तर की टाउनशिप अवधारणाओं के जरिए अपनी अलग जगह बनाई है।

व्यवहार और रिश्तों से बनी अलग पहचान

आज के दौर में जहां कारोबारी दुनिया अक्सर सिर्फ विज्ञापन और प्रचार तक सीमित दिखाई देती है, वहीं प्रवीण त्यागी की पहचान को लोग व्यवहार और रिश्तों से जोड़कर देखते हैं। करीबी लोग कहते हैं कि वे अपने पुराने साथियों और मित्रों को कभी नहीं भूलते। बड़े मंचों पर सफलता के बावजूद उनकी सहजता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है। शायद यही वजह है कि गाजियाबाद में उनका नाम सिर्फ एक कारोबारी के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्ति के रूप में लिया जाता है जिसने कारोबार के साथ लोगों के दिलों में भी अपनी अलग जगह बनाई।

क्यों अलग माने जाते हैं प्रवीण त्यागी

गाजियाबाद और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की कारोबारी दुनिया में कई बड़े नाम हैं, लेकिन प्रवीण त्यागी की पहचान सिर्फ निर्माण कारोबार तक सीमित नहीं दिखाई देती। उनकी कार्यशैली को देखने वाले लोग मानते हैं कि उन्होंने कारोबार के साथ सामाजिक नेटवर्क, व्यक्तिगत संबंध और सार्वजनिक उपस्थिति — तीनों को समान महत्व दिया। एक ओर जहां उन्होंने रियल एस्टेट क्षेत्र में बड़े आवासीय और लक्जरी प्रोजेक्ट्स के जरिए अपनी मजबूत पहचान बनाई, वहीं दूसरी ओर सामाजिक आयोजनों, धार्मिक गतिविधियों और क्रिकेट जैसे मंचों पर सक्रिय रहकर उन्होंने खुद को सिर्फ कारोबारी छवि तक सीमित नहीं रहने दिया। विशेषज्ञ मानते हैं कि वीवीआईपी ग्रुप आज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बड़े और प्रभावशाली रियल एस्टेट समूहों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। इस सफलता के पीछे सिर्फ बड़े प्रोजेक्ट्स नहीं, बल्कि प्रवीण त्यागी की वही संबंध आधारित कार्यशैली बड़ी वजह मानी जाती है जिसने उन्हें लोगों के बीच अलग पहचान दिलाई है।

प्रदेश अध्यक्ष के वैलकम वाली बेला में हो गया किस भगवा नेता के साथ इमोशनल खेला

पहले चुन ली गलत रोड और फिर तेजी से लाये अपनी कार को मोड़

गाजियाबाद, करंट क्राइम। प्रदेशअध्यक्ष आ रहे हैं तो जाहिर सी बात है कि उनके स्वागत की तमन्ना हर नेता की है। भाजपा में तो वैसे भी स्वागत को लेकर क्रेज रहता है। यहां स्वागत का मतलब सियासत की मजबूती से भी होता है। लेकिन राजनीति में कुछ भी सीन कभी भी हो सकता है। एक नेता जी के वेलकम वाले अरमानों पर टाईमिंग का खेलाहो गया। भगवा नेता अपेक्षित भी थे और उन्होंने पूरी तैयारी की हुई थी। उनकी तमन्ना थी कि वो प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करें। यूपीगेट से लेकर मुरादनगर तक वो नजर बनाये हुए थे। लेकिन नेता जी को नहीं पता था कि गर्मी के मौसम में उनके साथ ऐसा हो जायेगा। उन्हें लगा कि यूपी गेट पर जाना ज्यादा ठीक रहेगा। बाकी सब यहां हैं तो वहां फ्रेम अच्छा बन जायेगा।

इस उम्मीद के साथ उन्होंने अपनी कार का रूख एलिवेटिड रोड की ओर कर दिया। उन्होंने सीधे एलिवेटिड की ओर कार दौड़ा दी। लेकिन जब वो एक्सटेंशन की तरफ लगे, एरोप्लेन के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि प्रदेश अध्यक्ष का प्लान चेंज हो गया है। वो तो दुहाई वाले रास्ते से होकर आईटीएस पहुंच रहे हैं। नेता जी हैरान और तुरंत फिर उन्होंने अपनी कार का रूख मोड़ा और वो उस रास्ते पर पहुंचे तो यहां आकर पता चला कि प्रदेश अध्यक्ष तो यहां से निकल चुके हैं। भगवा नेता जी के अरमानों के साथ खेला हो गया था। इसके लिए कोई जिम्मेदार भी नहीं था। नेता जी की अति सक्रियता ने ऐसा कर दिया। खैर नेता जी ने भी हिम्मत नहीं हारी और वो सीधा उस लोकेशन पर पहुंचे जहां विधायक अजितपाल त्यागी के नेतृत्व में स्वागत होना था। यहां उनके स्टार ठीक रहे और उनहें वेलकम का मौका मिल गया। वेलकम तो हो गया लेकिन नेता जी अगर लोकेशन नहीं बदलते तो ज्यादा फायदे में रहते । बहरहाल एक्ट्रा भागदौड़ के बाद वेलकम का मौका मिल गया।

नामित चुनाव अधिकारी ने चस्पा कर दिया नोटिस और कहा वोटर लिस्ट उपलब्ध करायें

मुनिन्दर आर्य बोले, फैल गयी अराजकता और मोनू मंत्री ने पूछा कैसे फैली जरा हमें भी बतायें

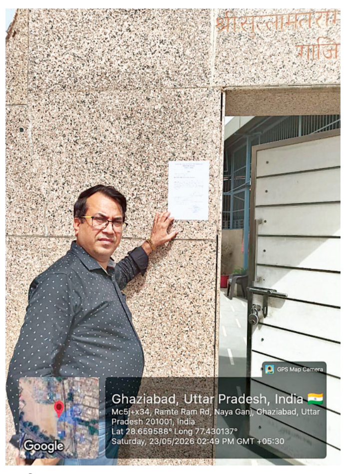

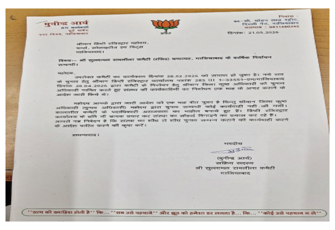

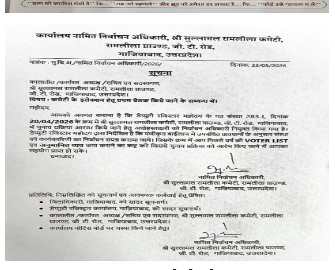
कार्यालय नामित निर्वाचन अधिकारी, श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी, रामलीला ग्राउण्ड, जी. टी. रोड, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश।

सूचना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुरानी रामलीला में नया मोड़ आ गया है। अभी तक रामलीला के ही चुनाव अधिकारी चुनाव करा रहे थे मगर अब बाकायदा रजिस्ट्रार कार्यालय से नामित अधिकारी का नोटिस शनिवार को चस्पा हो गया। इधर एक पत्र पूर्व पार्षद मुनिन्दर आर्य ने भेजा। खुद को सक्रिय सदस्य बताते हुए कहा कि कालातीत कमेटी के पदाधिकारी अराजकता का माहौल बनाये हुए हैं, चुनाव होने चाहिए। कमेटी के इलैक्शन हेतू प्रथम बैठक लिये जाने की बात कही। 23 मई को ये नोटिस चस्पा हुआ है जिसमें कहा गय है कि अदोहस्ताक्षरी को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। नामित किये गये निर्वाचन अधिकारी ने लोकेशन के साथ 2 बजकर 49 मिनट पर ये नोटिस चस्पा किया। वहीं इस मामले में एक रोचक मोड मुनिन्दर आर्य के पत्र को लेकर है। सूत्र बताते है कि पत्र का जवाब देने की भी तैयारी हो गयी है। वहीं एक पैनल तैयार है और दूसरा पैनल अब सामने आयेगा।

कालातीत कमेटी के पदाधिकारी बनाये हुए हैं अराजकता का माहौल : मुनिन्दर आर्य

करंट क्राइम। मुनिन्दर आर्य पूर्व पार्षद हैं , रामलीला कमेटी के पूर्व पदाधिकारी हैं। उन्होंने डिप्टी रजिस्ट्रार को पत्र लिखा और बताया कि 28 फरवरी को कमेटी का कार्यकाल समाप्त हो गया। 20 अप्रैल को चुनाव के लिए जिलाकुष्ट अधिकारी को चुनाव अधिकारी के रूप में नामित किया गया। एक माह के अंदर चुनाव होना था। लेकिन चुनाव अधिकारी द्वारा एक महीना बीत जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की गयी। मुनिन्दर आर्य ने कहा कि कालातीत कमेटी के पदाधिकारी अराजकता का माहौल बनाये हुए हैं। डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय के प्रति भी भ्रामकता का प्रचार कर रहे हैं और संस्था का सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। मुनिन्दर आर्य ने सुल्लामल रामलीला कमेटी का सक्रिय सदस्य लिखकर इस पत्र पर हस्ताक्षर किये और जल्द से जल्द चुनाव के आदेश की मांग की।

उनकी होगी कृपा , वो बतायें कैसे अराजकता का माहौल पैदा हुआ : सुधीर गोयल मोनू

करंट क्राइम। कमेटी के पूर्व पदाधिकारी ने जब अराजकता फैलाने का आरोप ही कालातीत कमेटी पर लगाया तो यहां कालातीत कमेटी के कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल मोनू का जवाब आया। उन्होंने कहा कि मुझे

अराजकता शब्द सुनकर ही बहुत हैरानी हुई है। मुनिन्दर आर्य रामलीला कमेटी के पदाधिकारी रहे हैं, पार्षद रहे हैं और स्वच्छ सामाजिक छवि के प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। मेरा उनसे यही निवेदन है कि वो कृप्या ये स्पष्ट करें कि अराजकता कैसे फैल गयी। अराजकता की क्या परिभाषा है। सुधीर गोयल मोनू ने कहा कि मुनिन्दर आर्य ने खुद को रामलीला कमेटी का सक्रिय सदस्य लिखा है। उनकी सक्रियता इतनी है कि 28 फरवरी 2025 को चुनाव सम्पन्न होने के बाद आजतक मैदान में उनके दर्शन नहीं हुए। हम चुनाव के लिए तैयार हैं। हमने कभी इंकार नहीं किया। हमने ही पत्र लिखा। हमने ही सबसे पहले पैनल घोषित किया। चुनाव पारदर्शी हो यह हमारा प्रयास है। मुनिन्दर आर्य कापूरा सम्मान है। लेकिन उनसे निवेदन है कि शब्दों का तापमान ठीक रखें। सम्पूर्ण रामलीला कमेटी एक परिवार है। मुनिन्दर आर्य भी इसी परिवार के सदस्य हैं। सुधीर गोयल मोनू ने कहा कि हमसे जो वोटर लिस्ट मांगी गयी है उसे हम उपलब्ध करायेंगे । सोमवार को हम डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय में जाकर मुलाकात करेंगे और अनुरोध करेंगे कि चुनाव प्रक्रिया शुरू की जाये।

24 May -26 page 4 23-05-26 9:22 PM Page 1

संपादकीय

बजाज समूह के 100 साल पूरे

आर्थिक उदारीकरण भारत के पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यापारिक समूहों के लिए अनुकूल नहीं रहा है। वर्ष 2000 के दशक की शुरूआत में खुले बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थता ने तीखे आंतरिक झगड़ों को जन्म दिया, जिसके कारण प्रसिद्ध 'लाइसेंस राज' के दिग्गज समूह बिखर गए। इनमें सिंघानिया, श्रीराम, मफतलाल कुछ प्रमुख नाम हैं। यही हश्र बजाज समूह का भी हो सकता था, जिसने पिछले सप्ताह अपने 101वें वर्ष में प्रवेश किया। वर्ष 2002 और 2008 के बीच, तीसरी पीढ़ी के भाइयों के बीच सार्वजनिक कलह ने समूह के विभाजन और कमजोर होने का खतरा पैदा कर दिया था, ठीक उसी समय जब नए प्रतिस्पर्धी इसके मुख्य व्यवसायों के लिए खतरा बन रहे थे। लेकिन परिवार में आपसी विरोधियों की दूरदर्शिता का प्रमाण यह है कि अंतत: समझदारी (और जाहिर तौर पर गहरी पारिवारिक भावना) हावी हुई।

एक समझौते के तहत प्रमुख संपत्तियों को एक तरफ दिग्गज उत्तराधिकारी राहुल बजाज और उनके चचेरे भाइयों और दूसरी तरफ उनके छोटे भाई शिशिर और उनके बेटे कुशाग्र के बीच विभाजित किया गया और क्रॉसहोल्डिंग्स को सुलझाने के लिए एक वित्तीय समझौता किया गया। राहुल बजाज गुट ने बजाज ऑटो और वित्त व्यवसाय को अपने पास रखा, जबकि उनके भाई ने उपभोक्ता वस्तुएं, चीनी व्यवसाय और रियल एस्टेट का कारोबार संभाला।

समूह के प्रमुख ब्रांडों का अपने-अपने क्षेत्रों में लगभग दबदबा बनाए रखना, इस विभाजित साम्राज्य की विरासत को संभालने वाली तीसरी और चौथी पीढ़ी की क्षमताओं का प्रमाण है। वर्ष 2025 के वार्षिक बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस रैंकिंग में बजाज समूह शीर्ष पांच में शामिल है, जो इसकी लगातार उच्च रैंकिंग है। यह एक सराहनीय उपलब्धि है, क्योंकि वह रिलायंस (68 वर्ष), जिंदल (74 वर्ष) और एचसीएल (केवल 49 वर्ष) जैसे युवा समूहों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। शीर्ष पांच समूहों में, केवल एवी बिड़ला ही 169 वर्ष के साथ इससे पुराना है। बजाज ऑटो प्रबंधकीय दक्षता और जोखिम लेने की क्षमता का एक अच्छा उदाहरण है जब राहुल बजाज द्वारा 1972 में पियाजियो के साथ अपना लाइसेंस समाप्त होने के बाद स्वदेशी चेतक स्कूटर लॉन्च करने का जोखिम उठाया गया। संरक्षित बाजार ने चेतक के लिए लंबी प्रतीक्षा सूची सुनिश्चित की और उपभोक्ताओं से मिलने वाले अग्रिमों से जमा अधिशेष ने बजाज ऑटो को भारत की सबसे समृद्ध कंपनियों में से एक बना दिया।

राहुल बजाज के बेटे राजीव ने चेतक स्कूटर पर निर्भर रहने के बजाय, अपने पिता की असहमति के बावजूद इसे बंद करने का फैसला किया, जब उन्होंने देखा कि दोपहिया वाहनों का बाजार मोटरसाइकिलों की ओर बढ़ रहा है।

महंगाई का झटका: 10 दिन में पांच रुपये तक महंगे हुए पेट्रोल-डीजल

हाय महंगाई!

परिवहन लागत बढ़ने और अर्थव्यवस्था पर महंगाई का दबाव बढ़ने की चिंताएं गहरा गई हैं

नई दिल्ली। देशभर में महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को एक और बड़ा झटका लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में एक बार फिर इजाफा कर दिया है। पिछले 10 दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में करीब पांच रुपये प्रति लीटर तक की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चुनाव के बाद कीमतों में लगी रोक हटने से परिवहन लागत बढ़ने और अर्थव्यवस्था पर महंगाई का दबाव बढ़ने की चिंताएं गहरा गई हैं।

पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी कितनी है?

नवीनतम संशोधन के तहत देश भर में पेट्रोल की कीमतों में 87 पैसे और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। 15 मई से अब तक 10 दिनों से भी कम समय में यह कुल इजाफा लगभग 5 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इस बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपये और डीजल 92.49 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं, सीएनजी के दाम भी 1 रुपये बढ़कर दिल्ली में 81.09 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए हैं, जिससे सीएनजी में हालिया कुल बढ़ोतरी 4 रुपये प्रति किलो हो गई है। महानगरों की बात करें तो मुंबई में पेट्रोल 108.49 रुपये और डीजल 95.02 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

अचानक ईंधन के दाम क्यों बढ़ाए जा रहे हैं?

ईंधन की कीमतों में इस भारी बढ़ोतरी का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों का अस्थिर होना है। फरवरी के अंत से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इसके पीछे अमेरिका-इस्राइल की ओर से ईरान पर किए गए हमले और वैश्विक तेल पारगमन के प्रमुख मार्ग 'होर्मुज जलडमरूमध्य' में शिपमेंट में आई बाधाएं मुख्य वजह हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की नई गारंटी

केंद्र सरकार ने वीबी-जी राम जी अधिनियम के मसौदा नियम जारी किए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ग्रामीण भारत में रोजगार और आजीविका की गारंटी देने वाले विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (वीबी-जी-राम-जी) के मसौदा नियम प्रकाशित किए हैं। ये नियम सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए गए हैं। इस कानून को 1 जुलाई से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जाएगा। इन नियमों का उद्देश्य कानून के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करना है।

ये मसौदा नियम अधिनियम की धारा 33 और अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत बनाए गए हैं। इन्हें अंतिम रूप देने से पहले व्यापक हितधारक परामर्श की सुविधा के लिए सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है। प्रस्तावित नियमों में संक्रमणकालीन प्रावधान, राष्ट्रीय स्तर की संचालन समिति और केंद्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद शामिल हैं।

स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता से खानपान में बदलाव

भारतीय थाली में बढ़ा मोटे अनाज का रुतबा

रिपोर्ट

70 प्रतिशत परिवार किसी न किसी रूप से मोटे अनाज को अपने आहार में ग्रहण कर रहे हैं

मुंबई। देश में मोटा अनाज यानी मिलेट्स जिसे श्रीअन्न भी कहा जाता है, वह अब मात्र पारंपरिक या मौसमी अनाज नहीं रह गया है। अब यह भारतीय परिवारों की थाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। सर्वेक्षण कंपनी लोकल सर्कल्स की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि 70 प्रतिशत परिवार नियमित रूप से किसी ने किसी रूप से मिलेट्स यानी मोटे अनाज को अपने आहार में ग्रहण कर रहे हैं। इसमें रागी, बाजरा, ज्वार सहित जौ और मक्का शामिल है। साथ ही शाम के हल्की भूख के लिए लोग मखाने, चना, कुरमुरा, भेल और मूंगफली खाना पसंद कर रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी पता चला है कि लोग मोटा अनाज स्वाद नहीं सेहत के लिए भी अपना रहे हैं। लगभग 43 प्रतिशत लोग मानते हैं, कि वे स्वास्थ्य कारणों से मोटे अनाज खाते हैं। जबकि 30 प्रतिशत लोगों ने माना है क भोजन में विविधता आती है, वहीं 15 प्रतिशत ने धार्मिक उपवास और कुछ लोगोंने स्थानीय उपलब्धता की वजह से भी इनकों आहार में शामिल किया है।

मोटे अनाज को सार्वजनिक वितरण प्रणाली में शामिल करने पर हो विचार : अध्ययन बताता है कि 68% परिवारों ने मोटे अनाज को सरकार के सार्वजनिक वितरण प्रणाली में शामिल करने की मांग की है। उनका कहना है, जैसे चावल और गेहूं को दिया जाता है, वैसे ही एक बड़ा हिस्सा मोटे अनाजों का भी होना चाहिए। रिपोर्ट का दावा है कि यह सर्वेक्षण देश के 346 जिलों में किया गया है, जिसमें 44 हजार से अधिक लोगों की राय जानी गई। जिसमें 48 प्रतिशत परिवार रागी, 32 प्रतिशत ने ज्वार को आहार में लेने की बात मानी अभी भी मोटे अनाज को भोजन में शामिल नहीं किया है।

आरबीआई ने जोखिम कवच दोगुना कर मजबूत की अर्थव्यवस्था की सुरक्षा

आर्थिक तनाव

आरबीआई ने साफ संकेत दिया है कि वह वैश्विक और घरेलू आर्थिक जोखिमों को हल्के में नहीं ले रहा

नई दिल्ली। दुनिया भर में बढ़ते आर्थिक तनाव, महंगे कच्चे तेल, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और रुपये पर बढ़ते दबाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने देश की अर्थव्यवस्था को संभावित संकटों से बचाने के लिए अपने जोखिम कवच यानी ह्यरिस्क बफरह्व को दोगुना से ज्यादा बढ़ा दिया है। आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.09 लाख करोड़ रुपये जोखिम प्रावधान में रखने का फैसला किया है। यह पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 44,900 करोड़ रुपये के मुकाबले काफी ज्यादा है। इस फैसले को भारत की आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

आरबीआई ने साफ संकेत दिया है कि वह वैश्विक और घरेलू आर्थिक जोखिमों को हल्के में नहीं ले रहा। दुनिया में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं। ईरान संकट और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता से भी दबाव बढ़ा है। ऐसे हालात में अगर अचानक बड़ा आर्थिक झटका लगता है तो केंद्रीय बैंक को मजबूत वित्तीय सुरक्षा की जरूरत पड़ती है। इसी कारण आरबीआई ने अपनी बैलेंस शीट को ज्यादा सुरक्षित बनाने का फैसला लिया है। केंद्रीय बैंक ने कंटिंजेंट रिस्क बफर को बैलेंस शीट के 6.5 फीसदी पर बनाए रखा है। हालांकि पिछले साल यह 7.5 फीसदी था, लेकिन आरबीआई की कुल बैलेंस शीट 20.6 फीसदी बढ़कर 91.97 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इसी वजह से जोखिम प्रावधान की राशि भी तेजी से बढ़ गई।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को 2.87 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड अधिशेष हस्तांतरण करने का फैसला भी किया है। यह सरकार के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। बजट 2026-27 में सरकार ने आरबीआई, सरकारी बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कुल 3.16 लाख करोड़ रुपये लाभांश और अधिशेष मिलने का अनुमान लगाया था। आरबीआई का यह रिकॉर्ड हस्तांतरण उस लक्ष्य का बड़ा हिस्सा पूरा करेगा। इससे सरकार को महंगे तेल, सब्सिडी, संभावित राजस्व कमी और बढ़ते खर्चों के बीच राजकोषीय प्रबंधन संभालने में मदद मिलेगी।

कमजोर रुपया बन रहा बाजार के लिए चुनौती

शेयर बाजार

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय बाजार अभी भी एशिया के कई देशों के मुकाबले महंगा बना हुआ है

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में घरेलू निवेशकों का भरोसा लगातार बना हुआ है, लेकिन विदेशी निवेशक तेजी से पैसा निकाल रहे हैं। अमेरिकी वित्तीय संस्था बोफा ग्लोबल रिसर्च की रिपोर्ट ने संकेत दिया है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी एफआईआई की बड़ी वापसी 2027 से पहले मुश्किल दिख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय बाजार अभी भी एशिया के कई देशों के मुकाबले महंगा बना हुआ है, जबकि कंपनियों की कमाई की रफ्तार धीमी है और रुपया भी कमजोर पड़ रहा है। यही वजह है कि विदेशी निवेशक भारत से दूरी बना रहे हैं। वर्ष 2026 में अब तक एफआईआई भारतीय शेयर बाजार से करीब 23 अरब डॉलर निकाल चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार विदेशी निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता भारतीय कंपनियों की कमाई और बाजार का महंगा मूल्यांकन है। बोफा ने अनुमान लगाया है कि चालू वित्त वर्ष में निफ्टी-50 कंपनियों की कमाई वृद्धि केवल 7 फीसदी रह सकती है। वहीं मार्च 2027 तक समाप्त होने वाले अगले वित्त वर्ष में यह वृद्धि 8.5 फीसदी रहने का अनुमान है। यानी कमाई की रफ्तार बहुत तेज नहीं है।

दूसरी तरफ निफ्टी अभी भी करीब 18 गुना एक साल आगे की कमाई के मूल्यांकन पर कारोबार कर रहा है। इसके मुकाबले दक्षिण कोरिया जैसे बाजार करीब 7.5 गुना पर ट्रेड कर रहे हैं। ऐसे में विदेशी निवेशकों को भारत का बाजार महंगा लग रहा है। यही कारण है कि वे अपना पैसा दूसरे देशों की तरफ ले जा रहे हैं। कमजोर रुपये से विदेशी निवेशकों को कितना नुकसान हो रहा? विदेशी निवेशकों के लिए केवल शेयर बाजार में गिरावट ही चिंता नहीं है।

रोचक तथ्यों का करंट

- न्यू जर्सी के सालेम में 28 जून, 1820 को टमाटर को 'परीक्षण पर' रखा गया था। एक न्यायालय के सामने, रॉबर्ट जॉनसन ने यह साबित करने के लिए टमाटर का एक ढेर खाया कि वे जहरीले नहीं थे। देखने वालों की भीड़ उसके मरने के लिए इंतजार कर रही थी।
- टमाटर के बीज होते हैं और वनस्पति पौधे से उगते हैं, इसे फल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, न कि एक सब्जी के रूप में।
- टमाटर मूल रूप से पेरू देश से आए थे।
- साल 2013 में, एक यूके कंपनी ने 'टॉमटाटो' का एक पौधा बनाया जिसके उपरी भाग पर टमाटर उगते हैं और मिटटी के नीचे आलू।
- ठंडी जलवायु वाली जगहों में टमाटर आमतौर पर ग्लासहाउस (ग्रीनहाउस) में उगाए जाते हैं।
- दुनिया भर में टमाटर की लगभग 10,000 किस्में हैं।
- एक जापानी कंपनी ने एक रोबोट का आविष्कार किया जो आपकी पीठ पर बैठता है और आपको दौड़ते समय टमाटर भी खिलाता है।
- चीन टमाटर का सबसे बड़ा उत्पादक है, जो साल 2009 में दुनिया के उत्पादन के एक चौथाई हिस्से के लिए जिम्मेदार है। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत क्रमश: दूसरे और तीसरे उत्पादक हैं।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

दो दोस्त होस्टल के कैंटीन में बैठे हुए...
गटरू- मैं ये रोटी नहीं खाऊंगा।
मटरू- क्यों ?
गटरू- इस रोटी पर से चूहा निकलकर गया है।
मटरू- तो क्या हुआ? चूहे ने चप्पल थोड़े ही पहनी थी...

दूल्हा वाले- बारात ठीक 8 :00 बजे पहुंच जाएगी।
पर एक बात तो हम कहना ही भूल गए।
दुल्हन वाले- जी पता है बारातियों का स्वागत पान पराग से करना है ना...?
दूल्हा वाले- नहीं, रास्ते के सारे चालान आपको ही भरने हैं।

एक भिखारी को लॉटरी लगी तो उसने मंदिर बनवाया।
दूसरा भिखारी- तूने मंदिर क्यों बनवाया?
पहला भिखारी- इसके सामने अब मैं अकेले ही भीख मागूंगा।
दूसरा भिखारी- सॉलिड इंवेस्टमेंट लाइफ लॉन्ग टेंशन फ्री एंड टैक्स फ्री, दोस्त।

24 05 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं — आज के जन्मदिन

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

धोनी को सीएसके में इस भूमिका में देखना चाहते हैं अश्विन

बोले- जब माही हैं तो किसी और की तलाश क्यों करें

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स का सफर आईपीएल 2026 में समाप्त हो गया है। टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी पूरे सीजन में नहीं खेले। उनके आईपीएल करियर को लेकर अटकलें चल रही हैं और इसी बीच अश्विन ने उनकी भूमिका को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी चोट के कारण मौजूदा आईपीएल सीजन में एक भी मैच नहीं खेले। सीएसके का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया क्योंकि टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी। यह लगातार तीसरा मौका है जब चेन्नई प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी है।

अब इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या सीएसके को मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग से आगे बढ़ जाना चाहिए? इसे लेकर पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी अपनी राय रखी है और उनका मानना है कि इस पद के लिए नए व्यक्ति की तलाश उतनी मुश्किल नहीं होगी जितनी लग सकती है।

धोनी को कोच बनाने पर क्या बोले अश्विन

अश्विन ने एक्स पर एक पोस्ट में मजाकिया अंदाज में इशारा किया कि धोनी खुद इस जिम्मेदारी के लिए उपयुक्त व्यक्ति हो सकते हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है, क्योंकि वह फ्रेंचाइजी का चेहरा हैं। वह पूर्व कप्तान हैं जिन्होंने टीम को पांच खिताब दिलाए हैं। उन्होंने अभी तक आईपीएल से संन्यास नहीं लिया है, लेकिन मौजूदा सीजन में चोट के कारण एक भी मैच न खेल पाने की वजह से अटकलें तेज हो गई हैं। इस मामले को लेकर अश्विन ने कहा कि जब धोनी मौजूद हैं तो आप किसी और को क्यों खोज रहे हैं?

क्यों फ्लेमिंग से आगे बढ़ने की हो रही चर्चा?

हाल के दिनों में सीएसके की टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। जहां अन्य टीमें पावर हिटिंग और ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर ध्यान दे रही हैं, वहीं चेन्नई आईपीएल के शुरूआती दौर में जी रही है।

क्या इसका कारण मौजूदा कोच हैं, यह एक अलग ही सवाल है। पहले राहुल त्रिपाठी, दीपक हुड्डा और डेरिल मिचेल जैसे खिलाड़ी विस्फोटक प्रारूप में ढलने के लिए संघर्ष कर रहे थे। अब कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी लय से बाहर नजर आ रहे हैं, जिससे टीम के शीर्ष क्रम को रन बनाने में और भी दिक्कतें आ रही हैं। गेंदबाजी में उनके पास कुछ अच्छे गेंदबाज हैं, जिनमें नूर अहमद पर्पल कैप की दौड़ में दूसरे स्थान पर रहे और अंशुल कंबोज ने भी अपनी क्षमता दिखाई।

लंबे समय से सीएसके से जुड़े हैं फ्लेमिंग

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान फ्लेमिंग को 2009 में सीएसके का मुख्य कोच बनाया गया था। उन्होंने केपलर वेसेल्स से यह जिम्मेदारी ली थी।

हालांकि पहले साल में वे खिताब जिताने में असफल रहे, लेकिन अगले साल उनका इंतजार खत्म हुआ और उन्होंने लगातार दो खिताब जीतकर जीत का सिलसिला शुरू किया। लेकिन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2018-2023 के बीच रहा, जब उन्होंने छह साल के अंतराल में तीन खिताब जिताए।

अगर चेन्नई अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव करने का फैसला करती है, तो अश्विन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि विश्व क्रिकेट में सबसे योग्य उम्मीदवार पहले से ही उनके डगआउट में मौजूद हैं।

रोनाल्डो के पास सपना पूरा करने का आखिरी मौका

इन आठ देशों में है पहली बार खिताब जीतने का दम

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप का काउंटडाउन शुरू हो गया है और टीमों ने इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए स्क्वाड की घोषणा भी कर दी है।

फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के कुल 211 सदस्य देश हैं। पहली बार फीफा विश्व कप 1930 में उरुग्वे में खेला गया था। 96 साल में फीफा विश्व कप केवल आठ देश ही जीत सके हैं। अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में होने वाले फुटबाल विश्वकप 2026 में 48 टीमें भाग ले रही हैं। इस बार क्वालिफायर में कई ऐसे देशों ने प्रभावित किया है, जो आज तक चैंपियन नहीं बने हैं। इनमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल भी शामिल है। तमाम बड़े खिताब जीत चुके रोनाल्डो के खाते में इस फुटबॉल महाकुंभ की ट्रॉफी ही नहीं आई है। विश्व कप की शुरूआत अगले महीने से हो रही है और अर्जेंटीना इसमें खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा।

पेले की प्रतिमा की गई स्थापित

ऐसे में रोनाल्डो अपने आखिरी प्रयास में यह सपना भी पूरा कर लेना चाहते हैं। पुर्तगाल के अलावा भी कई देश ऐसे हैं, जो खिताब की होड़ में चौंका सकते हैं। क्या इनमें से कोई पहली बार चैंपियन बनेगा? वहीं, फीफा विश्व कप की शुरूआत से पहले महान फुटबालर दिवंगत पेले की 31 फुट (9.5 मीटर) ऊंची प्रतिमा मेक्सिको सिटी के जैलिस्को स्टेडियम के बाहर स्थापित की गई है।

रजत पाटीदार सबसे कम गेंदों पर आईपीएल में 100 छक्के पूरे करने वाले भारतीय, गेल को भी छोड़ दिया पीछे

पाटीदार ने हैदराबाद के खिलाफ 39 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाए।

हैदराबाद। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के पूरे करने वाले भारतीय बन गए हैं। ओवरऑल सूची में वह तीसरे स्थान पर हैं, लेकिन उन्होंने इस मामले में क्रिस गेल जैसे दिग्गज को भी पीछे छोड़ दिया है।

गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। पाटीदार आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। पाटीदार ने हैदराबाद के खिलाफ कप्तानी पारी खेली और कीर्तिमान अपने नाम किया। हालांकि, पाटीदार की ये पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। पाटीदार ने हैदराबाद के खिलाफ 39 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाए।

रसेल के नाम है रिकॉर्ड: आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के पूरे करने का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के नाम है। रसेल ने 657 गेंदों पर ऐसा किया था। वहीं, दूसरे नंबर पर निकोलस पूरन हैं जिन्होंने 100 छक्के पूरे करने के लिए 884 गेंदें ली। तीसरे नंबर पर पाटीदार का नाम आता है जिन्होंने यह उपलब्धि 933 गेंदों पर ही पूरी कर ली। इस सूची में पाटीदार से नीचे क्रिस गेल, सुनील नरेन और शिवम दुबे हैं जिन्होंने क्रमशः 943, 950 और 992 गेंदों पर आईपीएल में 100 छक्के पूरे किए हैं।

आरसीबी ने शीर्ष पर रहकर किया लीग चरण का अंत: आरसीबी का प्रदर्शन मौजूदा सीजन में भी दमदार रहा है। खिताब बचाने के इरादे से उतरे आरसीबी ने ग्रुप चरण चरण में अपना दबदबा बरकरार रखा और वह शीर्ष पर बनी रही। आरसीबी का सामना अब क्वालिफायर-1 में गुजरात टाइटंस से होगा। दिलचस्प बात यह है कि पिछले 15 टीमों में से 12 टीम ऐसी है जिसने क्वालिफायर-1 जीता है और वही आईपीएल का खिताब जीतने में भी सफल रही है। लीग चरण खत्म होने में अब दो दिन बचे हैं, लेकिन अभी तक प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली चौथी टीम तय नहीं हुई है।

चौथे स्थान के लिए दौड़ जारी

चौथे स्थान के लिए राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला है। आज पंजाब किंग्स का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से है। अगर पंजाब इस मैच में जीत नहीं दर्ज कर सकी तो उसका सफर ग्रुप चरण में ही थम जाएगा। वहीं, पंजाब ने लखनऊ को हराया तो उसे केकेआर बनाम दिल्ली और राजस्थान के मैच के नतीजे का इंतजार करना पड़ा।

विश्व कप के लिए भारतीय महिला टीम इंग्लैंड रवाना

पहली बार खिताब जीतना है लक्ष्य

मुंबई। भारतीय महिला टीम अगले महीने इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को रवाना हो गई है। हरमनप्रीत की अगुआई वाली टीम ने मुंबई से उड़ान भरी।

महिला टी20 विश्व कप के लिए हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम शनिवार को मुंबई से इंग्लैंड रवाना हुई। भारतीय टीम पहली बार इस टूनार्मेंट का खिताब अपने नाम करने का लक्ष्य लेकर इस आईसीसी इवेंट में उतरेगी। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप की ट्रॉफी अपने नाम की थी और अब उसका लक्ष्य सबसे छोटे प्रारूप में विश्व चैंपियन बनना रहेगा। टीम के खिलाड़ी मुंबई से एकसाथ इंग्लैंड रवाना हुए हैं।

12 जून से होगी शुरूआत

महिला टी20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। टी20 विश्व कप से पहले टीम इंडिया हरमनप्रीत कौर की अगुआई में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। इस सीरीज की शुरूआत 28 मई को होगी। भारत की नजरें इस सीरीज से अपनी तैयारियों को पुख्ता करने की होगी।

भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

टी20 विश्व कप के लिए 12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम ग्रुप-1 में शामिल है। ग्रुप-1 को ह्यग्रुप ऑफ डेथह्व माना जा रहा है, जहां मौजूदा दिग्गज टीमों के साथ भारत-पाकिस्तान की पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी।

ग्रुप 1: ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नीदरलैंड।

ग्रुप 2: वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड।

14 जून को भारत-पाकिस्तान महामुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मैच पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ भारत के मुकाबले भी रोमांचक रहने वाले हैं।

हरमनप्रीत की कप्तानी में उतरेगी टीम

भारतीय महिला टीम इस विश्व कप में हरमनप्रीत की कप्तानी में खेलने उतरेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस महीने के शुरूआत में टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित की थी। टी20 विश्व कप के लिए चुने गए स्क्वॉड में अनकैप्ड नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया गया था। प्रतिका रावल टीम में जगह नहीं बना पाई थीं, जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना पाईं।

अबतक चार बार प्लेऑफ में जगह बना चुकी है गुजरात टाइटंस, दूसरे खिताब पर निगाहें

नई दिल्ली। शुभमन गिल की अगुआई वाली गुजरात टाइटंस की टीम एक बार फिर आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने में सफल रही है। गुजरात अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और उसका क्वालिफायर-1 में सामना गत चैंपियन आरसीबी से होना है। आइए जानते हैं कि किस तरह गुजरात ने मौजूदा सीजन में वापसी की और शीर्ष दो में रहने में सफल रही।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस की आईपीएल के 19वें सीजन में पहले छह मैच में तीन हार गई थी। यहां तक कि टीम एक बार 100 रन पर ऑलआउट भी हुई। अभियान पूरी तरह पटरी से उतरा हुआ था, पर अब लीग मैचों के बाद टीम अंक तालिका में नंबर-2 पर खड़ी है। आखिरी आठ में से सात मैच जीतकर टीम यहां तक पहुंची है। आखिरी लीग मैच में पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रन के रिकॉर्ड अंतर से मात देकर टीम यहां तक पहुंची है। ऐसे में गुजरात टाइटंस को खिताब का सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। लेकिन यह बदलाव किस तरह हुआ है, ये भी जानने लायक है।

गिल-सुदर्शन हैं जबरदस्त फॉर्म में

आईपीएल 2026 में अब तक 638 रन साईं सुदर्शन और 616 रन शुभमन गिल ने बनाए हैं।

आईपीएल इतिहास में एक टीम के दो बल्लेबाज छह बार ही 600+ रन बना पाए हैं।

दो बार छह मौकों में से गिल-साई ने अपना नाम लिखवाया है 600+ रन के आंकड़े पर। लगातार पांच बार साई सुदर्शन मौजूदा आईपीएल सीजन 50+ स्कोर बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और सात अर्धशतक लगाए हैं। गिल ने छह अर्धशतक लगाए हैं जिनमें 23 गेंद पर उनका दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी शामिल है।

ओपनिंग साझेदारी से पड़ रहे हैं भारी

गुजरात की सफलता का सबसे बड़ा कारण बेहतरीन शुरूआत मिलना है। 486 रन गिल-सुदर्शन की ओपनिंग जोड़ी आईपीएल के मौजूदा सीजन में जोड़ चुकी है।

मैदान पर कोहली की आक्रामकता का पठान ने किया बचाव

सहवाग ने बताई प्लेऑफ से पहले आरसीबी की समस्या

नई दिल्ली। विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच हुए विवाद को पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने ज्यादा प्राथमिकता नहीं दी। उन्होंने मैदान पर कोहली की आक्रामकता का बचाव भी किया है। दूसरी तरफ, आरसीबी अब प्लेऑफ की तैयारी कर रही है और इससे पहले वीरेंद्र सहवाग ने बताया कि उसके लिए कहां समस्या आ सकती है।

भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आईपीएल मैच के दौरान विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच मैदान पर हुई तीखी बहस को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि शीर्ष स्तर की क्रिकेट में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इस तरह के टकराव स्वाभाविक हैं। कोहली और हेड के बीच मैदान पर तीखी बहस हुई थी। कोहली ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को लगातार इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में इस्तेमाल किए जाने का मजाक उड़ाते हुए इशारा किया कि उन्हें मैदान से बाहर रहने के बजाय कुछ गेंदें फेंकनी चाहिए।

हेड-कोहली के बीच विवाद को इरफान नहीं दी तवज्जो: कोहली जल्द ही 11 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हो गए, जिसके बाद हेड ने पलटवार करते हुए उन पर कटाक्ष किया। सनराइजर्स की 55 रन की जीत के बाद भी तनाव बना रहा। पठान ने आईपीएल के आधिकारिक प्रसारक से बात करते हुए कहा, विराट कोहली को हमेशा से ही मैदान पर ऑस्ट्रेलिया की तरह आक्रामक शैली में खेलना, थोड़ी सी नोकझोंक, कड़ी प्रतिस्पर्धा तथा पूरे जोश और जज्बे के साथ खेलना पसंद है।

प्रज्ञानंद ने आठवें दौर में लाग्रेव के साथ खेला ड्रॉ, सिंदारोव की लगातार दूसरी जीत

बुचारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद के पास सुपर शतरंज क्लासिक के आठवें दौर में जीत दर्ज करने का अच्छा मौका था, लेकिन वह ऐसा करने से चूक गए। उन्हें फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने सुपर शतरंज क्लासिक के आठवें दौर में जीत हासिल करने के कुछ अच्छे मौके गंवा दिए और आखिर में उन्हें फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। दिन के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारुआना और जर्मनी के विंसेंट कीमर के बीच बाजी ड्रॉ रही, जबकि विश्व चैंपियनशिप के दावेदार उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

कीमर-कारुआना संयुक्त रूप से शीर्ष पर

नीदरलैंड के एक अन्य खिलाड़ी अनीश गिरी को रोमानिया के डिएक बोगदान-डेनियल से हार का सामना करना पड़ा। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के नाम वापस लेने के बाद अमेरिका के वेस्ली सो को वॉकओवर मिला। अब जबकि आखिरी दौर का खेल बाकी है तब खिताब के लिए पांच खिलाड़ी दावेदारी पेश कर रहे हैं। अभी कीमर और कारुआना दोनों पांच-पांच अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। सिंदारोव, वेस्ली और फोरस्ट 4.5 अंकों के साथ संयुक्त तीसरे जबकि प्रज्ञानंद, गिरी और वाचियर-लाग्रेव चार-चार अंक लेकर संयुक्त छठे स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद का सामना अब अनीस गिरी से

डिएक बोगदान-डेनियल ने अपना अभियान 3.5 अंकों के साथ समाप्त किया। अंतिम दौर में उन्हें वॉकओवर मिलेगा जिससे उनका स्कोर 4.5 हो जाएगा। सिंदारोव पर दूसरे दौर में जीत के बाद प्रज्ञानंद की दूसरी जीत की तलाश वाचियर-लाग्रेव के खिलाफ लगभग पूरी हो गई थी। भारतीय खिलाड़ी सफेद मोहरों से खेलते हुए जीत की अच्छी स्थिति में पहुंच गया था। उनके पास कुछ अच्छे मौके थे लेकिन वह उन्हें नहीं भुना पाए और आखिर में टूनार्मेंट का यह सबसे लंबा मुकाबला 139 चाल में समाप्त हुआ। प्रज्ञानंद अपनी अंतिम बाजी में अनीस गिरी का सामना करेंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट का विनेश के पक्ष में फैसला

एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में शामिल होने की मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शनिवार को विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए मंजूरी दे दी।

भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को लेकर चल रहे विवाद में दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उन्हें आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी है। इससे पहले कोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा था कि, खेल संगठनों को बदले की भावना से नहीं, बल्कि खिलाड़ियों और खेल के हित में काम करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह विशेषज्ञों की एक समिति गठित करे, जो विनेश फोगाट की फिटनेस का मूल्यांकन करेगी। इसी आधार पर उन्हें 30-31 मई को होने वाले एशियन गेम्स चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाएगी।

मातृत्व को नुकसान की वजह नहीं बनाया जा सकता: हाईकोर्ट

सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में मातृत्व का सम्मान किया जाता है और इसे किसी खिलाड़ी के करियर के खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

मैच के बाद दिखी तल्खी: विराट कोहली ने ट्रेविस हेड से क्यों नहीं मिलाया हाथ

क्यों उलझे कोहली-हेड?

- मैच के दौरान कोहली और ट्रेविस हेड आपस में उलझते हुए दिखाई दिए।
- पहली पारी में ट्रेविस हेड के आउट होने के बाद कोहली ने काफी आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया था, जो हेड को पसंद नहीं आया था।
- इसके बाद आरसीबी की पारी के दौरान कोहली वेंकटेश अय्यर द्वारा लगाए जा रहे चौके-छक्कों के बाद हेड की तरफ देखते हुए बार-बार तंज कसते हुए नजर आए।
- हेड भी शांत नहीं रहे और उन्होंने भी इशारों-इशारों में विराट को जवाब दिया।
- एक वीडियो में विराट हेड को उनके सामने गेंदबाजी करने की चुनौती देते हुए भी नजर आए।

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के बीच आईपीएल 2026 मैच के दौरान ट्रेविस हेड और विराट कोहली में कुछ कहासुनी हुई थी। कोहली इस वाक्या को मैच के बाद भी नहीं भूले और उन्होंने हेड से हाथ मिलाना तो दूर, उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।

आईपीएल 2026 में शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 55 रनों से हराया। मैच के दौरान विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच जुबानी जंग देखने को मिली। हालांकि, मैच खत्म होने के बाद भी कोहली का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उन्होंने हेड से हाथ तक नहीं मिलाया।

हेड के बगल से गुजरे कोहली

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि मैच के बाद कोहली सनराइजर्स हैदराबाद के बाकी सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाते हैं, लेकिन वह हेड की तरफ देखते तक नहीं हैं। हालांकि, हेड ने विराट से हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ आगे भी बढ़ाया, लेकिन वह एसआरएच के सलामी बल्लेबाज को नजरअंदाज करके आगे निकल गए।

मैच के बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी एक दूसरे का अभिवादन कर रहे थे तो कोहली और हेड के बीच तल्खी एक बार फिर देखने मिली। कोहली ने हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन से हाथ मिलाया, लेकिन जैसे ही हेड आगे आए तो विराट उन्हें नजरअंदाज कर आगे बढ़ गए।

जीत के बाद भी शीर्ष दो में नहीं पहुंची हैदराबाद

राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए एसआरएच ने 20 ओवर में चार विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 255 रन लगाए। अभिषेक शर्मा ने 22 गेंदों में चार चौके और पांच छक्कों की मदद से 56 रन बनाए। वहीं, ईशान किशन ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 46 गेंदों में 79 रनों की दमदार पारी खेली। हेनरिक क्लासेन ने महज 24 गेंदों का सामना करते हुए 51 रन बनाए। 256 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 200 रन ही बना सकी। टीम की ओर से रजत पाटीदार ने 56 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि वेंकटेश अय्यर ने 19 गेंदों का सामना करते हुए चार चौके और चार छक्कों की मदद से 44 रन बनाए। वहीं, क्रुणाल पांड्या 41 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। मैच जीतने के बाद भी हैदराबाद अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रही, जबकि आरसीबी शीर्ष पर मौजूद रही।

24 May -26 page 6 23-05-2026 9:50 PM Page 1

हापुड़ में सड़क हादसा: NH-9 पर बाइक सवार दंपती को मारी टक्कर, दो बच्चे भी घायल

- पुलिस क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है

हापुड़। एनएच-नौ पर चितौली फ्लाईओवर के ऊपर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार खिलाड़ी, पत्नी और दो बच्चों को टक्कर मार दी। सभी गंभीर रूप से घायल है। अज्ञात चालक मौके से फरार है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना क्षेत्र के एनएच-09 स्थित गांव चितौली फ्लाईओवर के ऊपर अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार दपंती व उनके दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे के एक तरफ यातायात बाधित हो गया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराकर पुलिस ने यातायात सुचारू कराया। पुलिस क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है। जिला संभल के गांव धर्मपुर कुईया निवासी खिलाड़ी वर्तमान में अपनी पत्नी चांदनी व दो बच्चों के साथ गाजियाबाद के खोड़ा में रहकर ट्रैक्टर चलाते हैं। शनिवार की सुबह तड़के पांच बजे वह बाइक पर सवार होकर परिवार के साथ अपने गांव एक जन्मदिन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे।

सुबह करीब साढ़े पांच बजे एनएच-09 स्थित गांव चितौली फ्लाईओवर के ऊपर पहुंचने पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में खिलाड़ी, उनकी पत्नी चांदनी, पुत्र प्रशांत व सुशांत उर्फ कान्हा गंभीर रूप से घायल हो गए।

दुर्घटना के बाद अज्ञात वाहन का चालक अपने वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया। हादसा होते देख आने जाने वाले राहगीर काफी संख्या में यहां एकत्र हो गए। जिन्होंने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद पुलिस ने यातायात सुचारू कराया।

सीओ अनीता चौहान ने बताया कि पुलिस टीम ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराकर यातायात सुचारू कराया था। हालांकि हादसे के संबंध में पुलिस को अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर कपड़ों से भरा कैंटर पलटा, चालक-परिचालक घायल

हापुड़। हापुड़ के बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव शंकराटीला क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह करीब छह बजे कपड़ों से भरा एक कैंटर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक और परिचालक घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गढ़ में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार कैंटर दिल्ली से कपड़े लेकर संभल जा रहा था। गांव शंकराटीला क्षेत्र में पहुंचते ही चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिसके चलते कैंटर गंगा एक्सप्रेसवे पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से वाहन में फंसे चालक सलमान और परिचालक अब्दुल समद, निवासी संभल, को बाहर निकाला। इसके बाद दोनों घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से सीएचसी गढ़ भेजा गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे में वाहन को नुकसान पहुंचा है, हालांकि गनीमत रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सीओ स्तुति सिंह ने बताया कि चालक परिचालक मामूली रूप से घायल हुए हैं।

चाइल्ड पीजीआई में 100 सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट पूरे

नोएडा। चाइल्ड पीजीआई ने बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 100 सफल ट्रांसप्लांट पूरे कर लिए हैं। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में शुक्रवार को संस्थान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल को बोइंग के सहयोग और ह्यडॉक्टर्स फॉर यूह्न संस्था ने पीजीआईसीएच के साथ मिलकर संचालित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों में होने वाले गंभीर रक्त रोगों और कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की भूमिका पर चर्चा की गई। चाइल्ड पीजीआई के निदेशक डॉ. अरुण कुमार सिंह ने कहा कि संस्थान की बीएमटी यूनिट अब बच्चों के लिए उन्नत और जीवन रक्षक उपचार का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुकी है।

कमिश्नर रविंदर कुमार गौड की प्रेरणा से बदला गाजियाबाद के थानों का स्वरूप, मसूरी थाने के आधुनिक परिसर का भव्य उद्घाटन

उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय गुप्ता ने की सराहना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नर रविंदर कुमार गौड की प्रेरणा और कुशल निर्देशन में पिछले दो वर्षों के भीतर गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत आने वाले थानों की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। थानों को आधुनिक, जन-हितैषी और सुंदर रूप दिया जा रहा है, ताकि अपनी समस्याएं लेकर आने वाले फरियादियों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े और उन्हें एक सकारात्मक माहौल मिल सके। इसी कड़ी में, मसूरी थाना अध्यक्ष अजय चौधरी के नेतृत्व में मसूरी थाने का ऐतिहासिक और आधुनिक नवीनीकरण किया गया। इस नवनिर्मित और सुसज्जित थाने का बीते कल पुलिस कमिश्नर रविंदर कुमार गौड़ द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन के इस विशेष अवसर पर पुलिस विभाग के आला अधिकारियों के साथ-साथ क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को बेहद भव्य और अनुशासित तरीके से आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित मेहमानों के लिए उच्च स्तरीय भोजन व्यवस्था भी की गई थी। इस शानदार आयोजन और थाने के कायाकल्प का पूरा श्रेय थाना अध्यक्ष अजय चौधरी और उनकी पूरी टीम को दिया जा रहा है।

आधुनिक रूप में निखरे मसूरी थाने के भीतर आम जनता और महिला फरियादियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। थाना परिसर में निम्नलिखित बदलाव किए गए हैं: महिला सुरक्षा, सुनवाई और सहायता के लिए समर्पित विशेष डेस्क। जनता के बैठने के लिए उत्तम सिटिंग अरेंजमेंट और शीतल पेयजल (आरओ वॉटर) की व्यवस्था। पुलिसकर्मियों और आगुंतकों के लिए खान-पान की बेहतरीन सुविधा। थाने के भीतर एक सुंदर मंदिर की स्थापना के साथ-साथ पूरे परिसर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाया गया है।

गाजियाबाद पुलिस का आधुनिक चेहरा वास्तव में काबिलेतारीफ : अजय गुप्ता

करंट क्राइम। थाने के इस नए और सकारात्मक स्वरूप की क्षेत्र की जनता और व्यापारी वर्ग ने मुक्तकंठ से सराहना की है। उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रसिद्ध समाजसेवी अजय गुप्ता ने इस पहल पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस कमिश्नर रविंदर कुमार गौड के नेतृत्व में गाजियाबाद पुलिस का यह मानवीय और आधुनिक चेहरा वास्तव में काबिलेतारीफ है। उन्होंने इस बेहतरीन कार्य के लिए थाना अध्यक्ष अजय चौधरी और उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लोनी की छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम, स्टेम स्कॉलर समारोह में हुआ सम्मान

गाजियाबाद करंट क्राइम। जनपद गाजियाबाद में संचालित उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय लोनी की छात्राओं ने शैक्षिक सत्र 2025-26 में पहली बार हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय की तीन छात्राओं ने क्रमशः 87 प्रतिशत, 85 प्रतिशत एवं 83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। प्रदेश के सभी 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में खान एकेडमी द्वारा मैथ्स इंप्रूवमेंट एवं विज्ञान की नींव कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। यह गैर-लाभकारी संस्था छात्राओं को ऑनलाइन माध्यम से विश्वस्तरीय निशुल्क शिक्षा उपलब्ध करा रही है। संस्था भारत सहित कई देशों में गणित एवं विज्ञान विषय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रही है। इसी क्रम में उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में खान एकेडमी द्वारा स्टेम स्कॉलर फेलिसिटेशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव जी, खान एकेडमी से रिद्धि रावत जी एवं शुभ्रा मित्तल जी ने सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छह छात्राओं को ट्रॉफी एवं अन्य पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही विभिन्न विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली चार छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर छात्राओं के अभिभावकों को भी सम्मान पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। जिला समन्वयक बालिका शिक्षा कुणाल मुद्गल ने स्वागत संबोधन में खान एकेडमी से आए अतिथियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों का स्वागत करते हुए आगामी शैक्षिक सत्र में और बेहतर परिणाम देने की उम्मीद जताई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने छात्राओं को बोर्ड परीक्षा में सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि जीवन की हर परिस्थिति का साहसपूर्वक सामना करना चाहिए तथा अपने सपनों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए।

आम के पेड़ पर लगे कीड़े, किसान परेशान

नोएडा। बिलासपुर कस्बे में आम के बागों में इस बार फल देखने को नहीं मिल रहे हैं।

मौसमी बीमारियों के कारण पेड़ पर फफूंदी और कीड़े लग गए हैं, जिस कारण ज्यादातर पेड़ खाली हैं। आम के बाग के किसान अशोक, धर्मवीर, लख्मी, सतवीर, पिंटू, राजवीर, मनसुक और नानक ने बताया कि आम के बागों के लिए इस बार मौसम उचित नहीं रहा। तेज हवा और तथा आम में लगने वाले रोग ने फसल को नष्ट कर दिया है। किसानों ने बताया कि बिलासपुर के आसपास के बागों में दशहरी, लंगड़ा, फजली, चौसा, रामकेला और देसी आम की फसल होती है लेकिन इस बार उम्मीद के मुताबिक फसल नहीं हो रही।

पानी का कनेक्शन कटने का डर दिखाकर 3.39 लाख की ठगी

- साइबर जालसाज ने खुद को दिल्ली जल बोर्ड कर्मचारी बताकर किया फोन
- मीटर रीडिंग अपडेट कराने के बहाने हैक किया मोबाइल

नोएडा। साइबर जालसाज ने दिल्ली जल बोर्ड का कर्मचारी बनकर कॉल की और फिर पानी का कनेक्शन कटने का डर दिखाकर झांसे में लिया। मीटर रीडिंग तत्काल अपग्रेड कराने के बहाने रिमोट एप के जरिए मोबाइल हैक कर 3.39 लाख की ठगी कर ली।

सेक्टर-128 जेपी विशटाउन सोसाइटी निवासी पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने सेक्टर-126 थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में वीरेंद्र सिंह चौहान ने बताया है उनका अस्थायी पता दिल्ली के त्रिलोकपुरी का भी है। 2 मई को मैसेज आया। दिल्ली जल बोर्ड से बताकर पानी के मीटर की रीडिंग अपडेट करने की जरूरत बताई। इसके लिए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने को कहा गया। ऐसा न करने पर पानी कनेक्शन कटने की जानकारी दी गई।

शिकायतकर्ता ने दिए गए नंबर पर कॉल किया तो सामने वाले व्यक्ति ने खुद को दिल्ली जल बोर्ड का कर्मचारी बताया और मोबाइल में एप डाउनलोड करने के लिए कहा। आरोप है कि जैसे ही एप इंस्टॉल किया गया, मोबाइल फोन हैक हो गया। इसके तुरंत बाद बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड से कई ट्रांजेक्शन होने लगे। आईसीआईसीआई बैंक खाते से करीब 65 हजार रुपये निकाल लिए गए, जबकि क्रेडिट कार्ड के जरिए लगभग 2 लाख 74 हजार रुपये का ट्रांजेक्शन ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर किया गया। इसके अलावा कई अन्य असफल ट्रांजेक्शन के मैसेज भी पीड़ित को मिले। ठगी का पता चलते ही वीरेंद्र ने बैंक से संपर्क कर खाते और कार्ड को ब्लॉक कराया। साथ ही नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर सेक्टर-126 थाने में आईटी एक्ट और धोखाधड़ी की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई। एसीपी प्रवीण सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर सभी तथ्यों पर जांच की जा रही है।

नौ महीने से नहीं हुई ड्रेनेज की सफाई, सड़कें भी टूटीं

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर तीन के बी ब्लॉक में बीते नौ महीने से सड़क और ड्रेनेज का काम रुका होने पर निवासियों ने विरोध जताया। आरोप है कि कई महीनों से दोनों प्रमुख समस्याओं को हल कराने की मांग की जा रही है। बावजूद कोई सुध लेने वाला नहीं।

निवासियों ने बताया कि बरसात का मौसम शुरू होने वाला है। बी ब्लॉक के ड्रेन पूरी तरह से भर चुके हैं। सड़क टूटी हैं। ब्लॉक की आपस में कनेक्टिविटी और बाउंड्री भी नहीं है। वहीं, घरों के सामने सफाई भी नहीं हो रही। इन सभी समस्याओं की वजह से वेस्ट के निवासी परेशान हैं। अब तक एंटी लार्वा का भी छिड़काव नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि हर निवासी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

जल्द सड़कों पर पैदल मार्च करेंगे कमिश्नरेट के अधिकारी

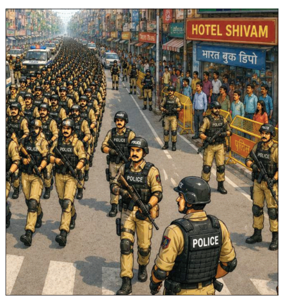

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्र जानकारी दे रहे हैं कि शनिवार की रात भी एक जूम मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग में आगामी त्यौहारों को लेकर रणनीति और प्लानिंग की गई है। तो इन सबके बीच इस बात की भी जानकारी मिली है कि आने वाले दिनों में जोन वाले साहब और उनके एसीपी और थाने वाले प्रभारी सड़क पर उतरेंगे। कहीं पर फ्लैग मार्च करेंगे, तो कहीं पर सायरन बजेंगे। तो पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के उन मोहल्ले से भी पुलिस के वाहन गुजरेंगे जहां माहौल खराब होने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। वैसे अब बताया जा रहा है कि बीते दिनों जिस तरीके से लखनऊ में बैठे साहब और महाराज जी ने ली और उस बैठक के बाद दिशा-निर्देश दिए गए हैं अब उसकी को लेकर पुलिस कमिश्नरेट में पालन करना होगा। वैसे बताया जा रहा है कि बीते दिनों पुलिस कमिश्नरेट ने सभी डीसीपी और एसीपी को निर्देशित कर दिया गया है कि कहीं पर भी खुले में नमाज नहीं पढ़ी जाए । तो गोकशी ना हो और विवाद भी न होने दिए जाएं। इन सबके बीच जानकारी मिली है कि अगले दो दिनों मे पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के कई जोन में अलग-अलग तस्वीरें और वीडियो आएंगी। जिसमें पुलिस अपना इकबाल बुलंद करती हुई नजर आएगी। तो वहीं यह भी बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी जबरदस्त तरीके से निगरानी रखने के लिए निर्देशित कर दिया गया है। इन सबके बीच जानकारी है कि जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में 962 टू-स्टार इधर से उधर किए गए हैं। तो अब जोन बदलने के बाद जल्द ही चौकी प्रभारियों वाली लिस्ट पर भी मंथन और उसे आउट किया जा सकता है। अब पुलिस सूत्रों के द्वारा बताया जा रहा है कि जो यह आदेश हुए हैं, इसको अमल में 28 के बाद प्रमुखता से लाया जाएगा। वहीं अगले एक से दो दिन में अभी कुछ और छोटे फेरबदल होने की संभावना है। वहीं टू-लखनऊ वाली लिस्ट का भी कमिश्नरेट के कई अधिकारियों को बेसब्री से वेट कर रहे हैं। पुलिस कमिश्नरेट में दो आईपीएस की एंट्री होने वाली है। तो पांच पीपीएस भी आएंगे। पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि आने वाले दिनों में कई बेहद दिलचस्प और रोचक तस्वीरें सामने आने वाली हैं।

सिरसा रोटरी से ईपीई तक की सड़क होगी चौड़ी

- सेंट्रल वर्ज को कम कर बनाई जाएगी दो अतिरिक्त लेन, नोएडा, ग्रेनो वेस्ट को जोड़ने वाली 130 मीटर रोड से ईपीई तक पहुंचना होगा आसान

नोएडा। ग्रेटर नोएडा से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (ईपीई) होकर पलवल, गाजियाबाद, अलीगढ़ की तरफ जाने वाले वाहनों की आवाजाही सुगम बनेगी। इसके लिए सिरसा रोटरी से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे की एंट्री तक सड़क चौड़ी होगी। मौजूदा चार लेन की सड़क छह लेन चौड़ी होगी। इसकी अनुमानित लागत 7.12 करोड़ है।

अधिकारियों के मुताबिक 130 मीटर रोड का ईपीई तक निर्माण अधूरा है। सिरसा के बाद आगे जहां सड़क नहीं बन सकी है। वहीं इंटरचेंज नहीं होने की वजह से ईकोटेक-1 के आगे बने इंटरचेंज का उपयोग कर एक्सप्रेसवे तक वाहन इसी रोड से पहुंचते हैं। भारी वाहनों की भी आवाजाही इस सड़क से होने की वजह से ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है। ऐसे में इसे भारी वाहनों की भी जरूरत के मुताबिक बनाया जाएगा। वहीं सेंट्रल वर्ज को कम कर दो अतिरिक्त लेन यहां बनाई जाएंगी।

सीईओ एनजी रवि कुमार के आदेश के बाद अब परियोजना विभाग ने एजेंसी की तलाश भी इस सड़क को बनाने के लिए कर दी है। अगले महीने तक एजेंसी तय हो जाएगी जिससे काम शुरू हो सके। जीएम प्रोजेक्ट एके सिंह के मुताबिक छह महीने में यह सड़क बनकर तैयार हो जाएगी।

इन इलाकों को होगा फायदा

ग्रेटर नोएडा के अल्फा, डेल्टा, गामा, ईटा के अलावा ओमिक्रॉन, डाढ़ा, स्वर्णनगरी, कासना, सिरसा आदि से आने वाले वाहनों को फायदा होगा। इसके अलावा 130 मीटर रोड से होकर ग्रेनो वेस्ट और नोएडा के वाहन भी आसानी से यहां से निकल सकेंगे। केवल निजी वाहन ही नहीं माल ढुलाई में लगे ट्रक भी बिना जाम में फंसे यहां से गुजर सकेंगे।

कर्मचारियों पर करोड़ों रुपये के गबन का आरोप

नोएडा। सेक्टर-125 स्थित रियल एस्टेट कंपनी ने अपनी बंगलूरू शाखा के कर्मचारियों पर करोड़ों रुपये के गबन का आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर सेक्टर-126 थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। कंपनी की ओर से अधिकृत प्रतिनिधि मोहित चौधरी ने प्रार्थनापत्र दिया है।

बताया कि उनकी कंपनी रियल एस्टेट कारोबार से जुड़ी है और देश के कई शहरों में शाखाएं संचालित हैं। शिकायत के मुताबिक भरत एन कंपनी में सेल्स हेड के पद पर कार्यरत था, जबकि शिवानी बंगलूरू शाखा की मुखिया थीं। कंपनी का आरोप है कि शिवानी ने कवलदीप कौर के नाम से अलग रेरा रजिस्ट्रेशन कराया हुआ था। कंपनी का दावा है कि कवलदीप कौर शिवानी के घर में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी।

कंपनी के ग्राहकों की प्रॉपर्टी बुकिंग ऑफ रेकॉर्ड तरीके से कवलदीप कौर के नाम पर की जाती थी। इसके बाद बिल्डरों से मिलने वाली ब्रोकरेज रकम कंपनी के खाते में न जाकर कवलदीप कौर के बैंक खाते में जमा कराई जाती थी। बाद में यह रकम दूसरे आरोपियों तक पहुंचाई जाती थी। इस तरीके से लंबे समय तक कंपनी का कारोबार डायवर्ट किया गया और करोड़ों रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाई गई। शिकायत में पूर्व कर्मचारी सी. अश्वथ कुमार का नाम भी शामिल किया गया है। कंपनी अधिकारियों के अनुसार, आरोपी भरत एन ने शुरूआत में कंपनी के एचआर विभाग को पूरे मामले की जानकारी दी थी लेकिन बाद में अपने बयान से पलट गया। इससे कंपनी को संदेह हुआ और आंतरिक जांच कराई गई।

जांच के दौरान कई संदिग्ध ट्रांजेक्शन और निजी रेरा आईडी के इस्तेमाल की जानकारी सामने आई। एसीपी प्रवीण सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। सभी तथ्यों पर जांच की जा रही है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वो चिकित्सा विज्ञान के शिखर पर हैं लेकिन उनके पास ये ज्ञान है कि सृष्टि चलाने वाले भगवान हैं। यशोदा मैडिसिटी के सीएमडी डा. पीएन अरोड़ा ने अपनी आस्था, श्रद्धा और भक्तिभाव को फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। एक जमीनी अनुभव उन्होंने पवित्र, पावन मां वैष्णो देवी मंदिर पर लिया। अपने मित्रों ओर परिवार के साथ पूजन अर्चन किया। इस अद्भुत अनुभव को डा. पीएन अरोड़ा ने फेसबुक पोस्ट बनाया। डा. पीएन अरोड़ा की ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

चीन की कोयला खदान में भीषण हादसा गैस विस्फोट में गई 82 लोगों की जान, कई मजदूर अभी भी फंसे

संघाई। चीन के शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए गैस विस्फोट में कम से कम 82 लोगों की मौत हो गई। हादसे के समय बड़ी संख्या में मजदूर खदान के अंदर मौजूद थे। चीन के उत्तरी प्रांत शांक्सी में एक कोयला खदान में हुए भीषण गैस विस्फोट में कम से कम 82 लोगों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया के अनुसार हादसा शुक्रवार शाम चांगझी शहर स्थित लिउशेन्यू कोयला खदान में हुआ, जहां विस्फोट के समय बड़ी संख्या में मजदूर भूमिगत काम कर रहे थे।

कितने मजदूरों के फंसे होने की आशंका?

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, शुरूआती जानकारी में करीब 247 मजदूरों के खदान में फंसे होने की आशंका जताई गई थी। शनिवार सुबह एजेंसी ने पहले आठ लोगों की मौत और 38 मजदूरों के फंसे होने की जानकारी दी थी, लेकिन बाद में मृतकों की संख्या बढ़कर 82 हो गई।

राष्ट्रपति जिनपिंग ने दिए कई निर्देश

हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। बचाव दल लगातार खदान के भीतर फंसे मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घायलों के इलाज और फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं।

विस्फोट की असली वजह अब भी नहीं साफ

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हादसे की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। सरकारी मीडिया के मुताबिक, खदान का संचालन करने वाले अधिकारियों को हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि विस्फोट की असली वजह अभी साफ नहीं हो पाई है, लेकिन शुरूआती जांच में खदान के अंदर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का स्तर तय सीमा से काफी ज्यादा पाया गया। यह गैस बेहद जहरीली और बिना गंध वाली होती है, जो बंद जगहों में जानलेवा साबित हो सकती है। हादसे के बाद चीन के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने राहत कार्य के लिए छह रेस्क्यू टीमों के 345 कर्मचारियों को मौके पर भेजा है। बचाव दल लगातार मलबा हटाने और खदान के भीतर फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

पहले भी हुआ था ऐसा हादसा

गौरतलब है कि 2000 के दशक की शुरूआत में चीन की कोयला खदानों में ऐसे घातक हादसे आम थे। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा मानकों को सख्त किया गया है, लेकिन इस ताजा हादसे ने एक बार फिर खदानों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड हमजा बुरहान सुपुर्द-ए-खाक

इस्लामाबाद। पुलवामा हमने का मास्टमाइंड हमजा बुरहान का सुपुर्द-ए-खाक हुआ। उसके जनाजे में कई खूंखार आतंकी शामिल हुए। वहीं, जनाजे में हथियारों से लैस दिखे। उनके पास एके-47 और अन्य आधुनिक हथियार भी दिखाई दिए।

पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड हमजा बुरहान को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अज्ञात बंदूकधारियों ने हत्या कर दी। उसे पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, उसके जनाजे में कई खूंखार आतंकी और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी शामिल हुए।

डॉक्टर के नाम से भी जाना जाता था

इनमें हिज्बुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन और अल-बद्र सरगना बख्त जमीन खान जैसे नाम अहम हैं। हमजा बुरहान, जिसे अजुर्मंद गुलजार डार और कोडनेम डॉक्टर के नाम से भी जाना जाता था। उसे गोली मारे जाने के एक दिन बाद इस्लामाबाद में दफनाया गया। सोशल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जनाजे में दुर्दांत आतंकियों के अलावा पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़े अधिकारी भी मौजूद थे।

जनाजे में शामिल हुए खूंखार आतंकी

जनाजे के वीडियो में भारी हथियारों से लैस लोग एके-47 और अन्य आधुनिक हथियारों के साथ दिखाई दिए। इससे समारोह के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का संकेत मिला। सोशल मीडिया वीडियो में प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े कई हथियारबंद कैडरों की मौजूदगी भी दिखाई गई।

पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड

बुरहान को वर्ष 2019 के पुलवामा हमले का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता था, जिसमें फरवरी 2019 में सीआरपीएफ के 40 से अधिक जवान शहीद हुए थे। भारत के गृह मंत्रालय ने उसे 2022 में जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में आतंकवादी घोषित किया था। अधिकारियों के अनुसार, वह युवाओं को बरगलाने, उन्हें कट्टरपंथ की ओर धकेलने और पाकिस्तान संचालित अल-बद्र के लिए फंडिंग में अहम भूमिका निभा रहा था।

शिक्षक के रूप में कर रहा था काम

वह हाल के वर्षों में पीओके में गुप्त रूप से रह रहा था और शिक्षक के रूप में काम कर रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वह मुजफ्फराबाद के एक निजी कॉलेज का प्रिंसिपल भी था। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, गुरुवार सुबह कॉलेज परिसर से बाहर निकलते समय अज्ञात हमलावरों ने उस पर करीब से गोलीबारी की, जिसमें उसके सिर में कई गोलियां लगीं।

मई 2025 में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए आतंकियों के जनाजों में भी पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी, नौकरशाह और आतंकी संगठन प्रमुख शामिल हुए थे।22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने गांव पर हमला कर लोगों से उनका धर्म पूछकर हत्या की थी, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। इसके जवाब में भारत ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्व शुरू किया था।

उस दौरान सामने आए वीडियो में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के मारे गए आतंकियों के ताबूतों को पाकिस्तानी झंडे में लपेटकर सैन्य सम्मान दिए जाने के दृश्य भी दिखाई दिए थे।

चीन का चांद मिशनः दक्षिणी ध्रुव पर पर्यावरण और संसाधनों का करेगा सर्वेक्षण, साल के अंत में होगा लॉन्च

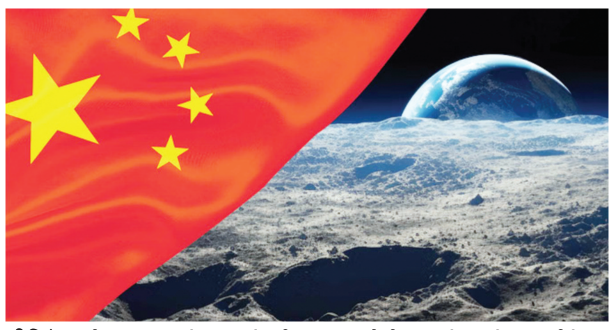

बीजिंग। चीन का चांद मिशन दक्षिणी ध्रुव पर पर्यावरण और संसाधनों का सर्वेक्षण करेगा। यह मिशन इस साल के अंत में लॉन्च होगा।

चीन का चांद अन्वेषण मिशन ह्यचांग'ई-7 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का पर्यावरण और संसाधन सर्वेक्षण करेगा। यह मिशन इस साल के अंत में लॉन्च किया जाएगा। यह जानकारी चीन की मानव अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को दी है। मिशन का उद्देश्य क्या है?

चीनी आधिकारिक मीडिया एजेंसी के प्रवक्ता झांग जिंगबो के हवाले से बताया कि इस मिशन में परिक्रमा, लैंडिंग, रोविंग और हॉपिंग सहित एक व्यापक अन्वेषण दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को लक्षित करने वाले इस रोबोटिक मिशन का उद्देश्य जल बर्फ की खोज करना और भविष्य के अनुसंधान अड्डे के लिए उस क्षेत्र का आकलन करना है।मिशन की तैयरियां जारी

अप्रैल में, चांग'ई-7 चंद्रयान को दक्षिणी द्वीप प्रांत हैनान में स्थित प्रक्षेपण स्थल पर पहुंचाया गया, जहां इसकी प्रक्षेपण-पूर्व तैयारियां चल रही हैं। झांग ने बताया कि इससे संबंधित सभी कार्य योजना के अनुसार सुचारू रूप से आगे बढ़ रहे हैं। 2023 में, भारत चंद्रयान-3 के लैंडर के साथ प्रज्ञान रोवर को लेकर चंद्रमा के कम खोजे गए दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के निकट उतरने वाला पहला देश बन गया।

चीन का 2030 तक क्या मिशन?

अगले वर्ष, चीन के चांग'ई-6 चंद्रयान ने चंद्रमा के अनछुए दूर के हिस्से से पहली बार नमूने एकत्र करने का मिशन पूरा किया। इसके बाद पृथ्वी पर लौट आया। चीन का लक्ष्य 2030 तक चंद्रमा पर मानवयुक्त अंतरिक्ष यान उतारना भी है। झांग के अनुसार, देश ने अपने मौजूदा मानवयुक्त चंद्र लैंडिंग और मानवरहित चंद्र अन्वेषण प्रयासों को एक एकीकृत कर लिया है।

ईरान पर हमले की तैयारी में अमेरिका?: 'युद्ध शुरू किया तो चुकानी होगी भारी कीमत', गालिबाफ की ट्रंप को चेतावनी

वॉशिंगटन/तेहरान। क्या अमेरिका और ईरान एक बार फिर युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं? ट्रंप की अचानक व्हाइट हाउस वापसी, ईरान की कड़ी चेतावनी और कतर की कूटनीतिक कोशिशों ने दुनिया भर में हलचल मचा दी है। क्या यह सिर्फ संयोग है या बड़े फैसले की तैयारी?

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने अमेरिका को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उसने फिर से युद्ध शुरू करने की गलती की, तो उसे पहले से कहीं अधिक कड़ा जवाब झेलना पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान की सशस्त्र सेनाएं संघर्ष विराम के दौरान अपनी क्षमताओं को और मजबूत कर चुकी हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब

पश्चिम एशिया में पहले से ही तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं।

डोनाल्ड ट्रंप अचानक व्हाइट हाउस लौटेः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना वीकेंड गोल्फ कार्यक्रम अचानक रद्द कर दिया और वे तुरंत व्हाइट हाउस लौट आए। इसके साथ कई वरिष्ठ प्रशासनिक और सैन्य अधिकारियों ने अपने निर्धारित अवकाश और छुट्टियां रद्द कर दी हैं। इस फैसले के बाद अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर कई तरह की अटकलें तेज हो गई हैं।

उइर न्यूज की रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ईरान के खिलाफ संभावित नए सैन्य हमलों पर विचार कर सकता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप प्रशासन इस समय विभिन्न सैन्य विकल्पों की समीक्षा कर रहा है, हालांकि अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

ईरान की कड़ी प्रतिक्रियाः इसी बीच ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने बयान जारी करते हुए कहा है कि ईरानी सेना किसी भी आक्रामक कदम का कड़ा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेजा तलई-निक ने भी तीखा बयान देते हुए कहा कि यदि अमेरिका ईरान के अधिकारों का सम्मान नहीं करता, तो उसे और भी बड़ी असफलता का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इस्राइल के लिए इस संकट से निकलने का एकमात्र रास्ता ईरान की मांगों को स्वीकार करना है।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में होर्मुज जलडमरूमध्य से कम से कम 25 जहाज सुरक्षित रूप से गुजरे हैं।

ट्रंप और कतर के अमीर की फोन पर बातचीत

कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर अहम बातचीत हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय तनाव और कूटनीतिक प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें पाकिस्तान द्वारा की जा रही मध्यस्थता कोशिशें भी शामिल रहीं। कतर के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, बातचीत का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ते तनाव को कम करना और स्थिरता बनाए रखना था। खासतौर पर पाकिस्तान की उस भूमिका पर चर्चा हुई, जिसमें वह अमेरिका और ईरान के बीच संवाद स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।

ट्रंप की धमकियों पर ईरान की दो टूक, बोला- हमारी मांगें मानने के अलावा यूएस के पास कोई रास्ता नहीं बचा

तेहरान। ईरान ने अमेरिका पर अपना सख्त रुख दिखाया है। उसने ट्रंप की धमकियों पर कहा कि अमेरिका के पास हमारी मांगें मानने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर वह ईरान की मांगों को नहीं मानते, तो दोनों को नुकसान उठाना पड़ेगा।

ईरान-अमेरिका के बीच स्थायी संघर्ष विराम को लेकर चर्चा जारी है। दोनों ओर से एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी भी खूब हो रही है। शनिवार को ईरान के रक्षा मंत्रालय ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर बड़ा बयान दिया गया है। मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि अमेरिका-इस्राइल के पास हमारी मांगों को मानने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

सिर्फ एक ही रास्ता बचा है

मंत्रालय के प्रवक्ता रजा तलाए-निक ने कहा कि ट्रंप के पास ईरानी की मांगें मानने और ईरान के अधिकारों को स्वीकार करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने कहा, 'चाहे जंग हो या बातचीत, दोनों हालात में अमेरिका और इस्राइल के लिए यही एक रास्ता बचा है। अगर वह ईरान की मांगों को नहीं मानते, तो दोनों को नुकसान उठाना पड़ेगा।'

ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रीय हितों को नजरअंदाज कर रहे

प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रीय हितों को नजरअंदाज कर रहे हैं और वह पूरी तरह इस्राइल के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप का अहंकारी रवैया अमेरिका को युद्ध के दलदल में और गहराई तक ले जाएगा। इस बीच, ईरान-अमेरिका के बीच स्थायी संघर्ष विराम को लेकर चर्चा जारी है। शनिवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कई देशों के अपने समकक्षों संग टेलीफोन वार्ता की। बातचीत का मकसद क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर गंभीर मंत्रणा करना था।

तनाव कम करने के लिए की बात

अराघची ने अपने तुर्की, कतर, जापान, ओमान और इराक के समकक्षों के साथ हालिया क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। हाकान फिदान, शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी, तोशिमित्सु मोतेगी और फुआद मोहम्मद हुसैन के साथ अलग-अलग फोन वाताओं में अराघची ने द्विपक्षीय मुद्दों पर विचारों पर बात किया है। अराघची ने ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी से भी फोन पर बात की। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, दोनों नेताओं ने क्षेत्र में तेजी से बदल रहे हालात और युद्ध रोकने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की।

ट्रंप की धमकी के बीच अराघची-मुनीर की बैठक

क्यों पश्चिम एशिया के लिए मानी जा रही आखिरी कोशिश

वाशिंगटन। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच पश्चिम एशिया के हालात पर अहम बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय सुरक्षा, ईरान संकट और तनाव कम करने के कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की। आइए विस्तार से जानते हैं।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान-अमेरिका के बीच जारी टकराव के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच शुक्रवार देर रात तक बातचीत चली, जिसमें पश्चिम एशिया की सुरक्षा स्थिति, ईरान संघर्ष और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में किन-किन मुद्दों पर चर्चा हुईः ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम की रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में क्षेत्र में तनाव बढ़ने से रोकने के लिए

जारी कूटनीतिक प्रयासों और नई पहलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने पश्चिम एशिया में सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया।

हालांकि इस पाकिस्तान पहले भी ऐसी चर्चा के साथ सुलह की कोशिशे कर चुका है लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला है। इसी बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी फोन पर बातचीत की। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने कहा कि अमेरिका की अत्यधिक मांगें शांति वार्ता में सबसे बड़ी बाधा बनी हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वॉशिंगटन ने बार-बार अपने वादे तोड़े, विरोधाभासी रुख अपनाया और सैन्य आक्रामकता दिखाई, जिससे कूटनीतिक प्रक्रिया कमजोर हुई।

अराघची ने क्या स्पष्ट किया?

हालांकि, अराघची ने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान युद्धविराम और शांति वार्ता में शामिल बना हुआ है। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने किसी भी देश की संप्रभुता के खिलाफ बल प्रयोग का विरोध करते हुए क्षेत्र में स्थिरता बहाल करने के लिए कूटनीति पर जोर दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्या धमकी दी?

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की तैयारी में जुटा हुआ है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर रणनीति तैयार कर रहा है, हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने दोनों देशों के बीच गहरे मतभेदों का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान ने अमेरिका को पहले ही 14 सूत्रीय प्रस्ताव सौंपा है।

'छात्र वीजा पर लगी पाबंदी से अमेरिका को पहुंच सकता है नुकसान'

वॉशिंगटन। अमेरिकी सांसदों ने ट्रंप प्रशासन को चेतावनी दी है। सांसदों का कहना है कि छात्र वीजा पर लगी पाबंदी से अमेरिका को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विदेशी छात्रों का अहम योगदान है।

अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने ट्रंप प्रशासन से अंतरराष्ट्रीय छात्रों और शोधकताओं के लिए मौजूदा वीजा ढांचे को बनाए रखने का आग्रह किया है। वहीं, उन्होंने चेतावनी दी है कि प्रस्तावित प्रतिबंध अमेरिका की तकनीकी बढ़त, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और अनुसंधान नेतृत्व को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

दाखिला की अवधि से बदलने के खिलाफ चेतावनी

होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी मार्कवेन मुलिन और ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट के डायरेक्टर रस वॉट को भेजे गए एक पत्र में कांग्रेस के चार सदस्यों ने एफ-1 और जे-1 वीजा धारकों के लिए मौजूदा 'ड्यूरेशन और स्टेटस' स्थिति की अवधि) सिस्टम को एक तय चार साल की दाखिला की अवधि से बदलने के

खिलाफ चेतावनी दी।

इस पत्र पर प्रतिनिधियों सैम लिकार्डो, जे ओबरनोल्टे, मारिया सालाजार और राजा कृष्णमूर्ति ने हस्ताक्षर किए थे। सांसदों ने कहा कि मौजूदा सिस्टम 'संयुक्त राज्य अमेरिका में लंबी अवधि की पढ़ाई, रिसर्च और वर्कफोर्स डेवलपमेंट' के लिए लचीलापन देता है, खासकर विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के प्रोग्राम में, जहां डॉक्टरेट की पढ़ाई अक्सर छह साल से ज्यादा चलती है। सांसदों ने लिखा, अंतरराष्ट्रीय छात्र एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, मेडिकल रिसर्च और दूसरी उभरती टेक्नोलॉजी में अमेरिका की प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। अगर हम उन्हें निकाल देते हैं, तो वे अपने देश लौटकर विदेशी कंपनियों, जैसे चीन की कंपनियों को हमारे खिलाफ मुकाबला करने में मदद करेंगे।'

प्रशासनिक बोझ बढ़ेगी

अपने तीन पेज के पत्र में कांग्रेस सदस्यों ने तर्क दिया कि चार साल की सीमा कई छात्रों को बार-बार वीजा बढ़ाने के लिए मजबूर करेगी, जिससे 'अनावश्यक प्रशासनिक बोझ, प्रोसेसिंग में देरी और शैक्षणिक निरंतरता में रुकावटें' आएंगी। उन्होंने सर्वे के डेटा का भी हवाला दिया, जिससे पता चलता है कि लगभग आधे अंतरराष्ट्रीय स्नातक छात्र और पोस्टडॉक्टोरल रिसर्चर संयुक्त राज्य अमेरिका में पढ़ाई करना नहीं चुनते, अगर ऐसी कोई तय एडमिशन अवधि होती।

पत्र में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विदेशी छात्रों के आर्थिक योगदान पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय छात्र हर साल स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में लगभग 43 बिलियन डॉलर का योगदान देते हैं और 355,000 से ज्यादा अमेरिकी नौकरियों में मदद करते हैं।

सदस्यों ने लिखा, अमेरिकी व्यवसायों, सामानों और नौकरियों के अवसर बनाने के लिए ऐसे अंतरराष्ट्रीय विद्वानों, छात्रों और नागरिकों की एक टीम की जरूरत होती है, जो अमेरिका की आर्थिक और तकनीकी ताकत की रक्षा करने और उसे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हों।'

6 से 11 प्रतिशत हिस्से का नुकासान हो सकता

सांसदों ने चेतावनी दी कि विदेशी एसटीईएम (रळएट) ग्रेजुएट्स की संख्या में कमी से अमेरिकी वर्कफोर्स काफी कमजोर हो सकता है। पत्र में कहा गया, 'अगर संयुक्त राज्य अमेरिका में विदेशी एसटीईएम ग्रेजुएट्स की संख्या में एक-तिहाई भी कमी आती है, तो देश अपने उच्च-कुशल एसटीईएम वर्कफोर्स का 6 से 11 प्रतिशत हिस्सा खो सकता है।' इसमें आगे कहा गया कि ऐसी कमी से एक दशक के भीतर अमेरिकी जीडीपी में 'हर साल 240 डॉलर से 481 डॉलर बिलियन' की कमी आ सकती है। सदस्यों ने माना कि प्रशासन विदेशी छात्रों पर ज्यादा कड़ी निगरानी रखना चाहता है और 'विदेशी विरोधियों को देश के विश्वविद्यालयों का गलत इस्तेमाल करने से रोकना चाहता है'। लेकिन उन्होंने यह तर्क दिया कि अंतरराष्ट्रीय छात्र पहले से ही 'सबसे अच्छी तरह से जांचे-परखे और लगातार निगरानी में रहने वाले गैर-आप्रवासी समूहों' में से हैं। सांसदों ने 'स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर इंफॉर्मेशन सिस्टम' (एसईवीआईएस) का जिक्र किया, जो 'डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी' को विदेशी छात्रों और एक्सचेंज विजिटर्स की 'लगातार, रियल-टाइम निगरानी' की सुविधा देता है।

कैलिफोर्निया की फैक्ट्री में केमिकल लीक

सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए 40,000 लोग

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया की एयरोस्पेस फैक्ट्री में कूलिंग सिस्टम फेल होने से 34,000 गैलन का केमिकल टैंक बेहद अस्थिर हो चुका है, जिससे 40 हजार लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। प्रशासन ने टैंक के किसी भी समय फटने या जहरीले रिसाव की आशंका जताते हुए हाई अलर्ट घोषित किया है। राहत दल स्थिति को संभालने में जुटे हैं, लेकिन विस्फोट का खतरा लगातार बरकरार है।

दक्षिणी कैलिफोर्निया के ऑरेंज काउंटी स्थित एक एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री में केमिकल टैंक लीक होने से हड़कंप मच गया है। टैंक के अत्यधिक गर्म होने के कारण जहरीली गैसों का रिसाव शुरू हो गया है, जिससे भीषण विस्फोट की आशंका पैदा हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लगभग 40,000 निवासियों को तुरंत इलाका खाली करने के आदेश जारी किए हैं। राहत और बचाव दल लगातार स्थिति को नियंत्रित करने में जुटे हैं।

कूलिंग सिस्टम फेल होने से भड़का खतरा

यह संकट गुरुवार दोपहर को गार्डन ग्रोव शहर में स्थित 'जीकेएन एयरोस्पेस'कंपनी के प्लांट में शुरू हुआ। फैक्ट्री में कुल तीन स्टोरेज टैंक मौजूद हैं, जिनमें से एक का कूलिंग सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया। इस टैंक में 'मिथाइल मेथाक्रायलेट' भरा हुआ है। यह बेहद ज्वलनशील और वाष्पशील औद्योगिक रसायन है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से एक्रिलिक प्लास्टिक बनाने में किया जाता है। कूलिंग फेल होने से टैंक का तापमान खतरनाक स्तर तक बढ़ गया और उसमें से जहरीली गैसें निकलने लगीं।

तबाही के दो बड़े इनपुट

ऑरेंज काउंटी फायर अथॉरिटी (ओसीएफए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो अपडेट जारी कर गंभीर चेतावनी दी है। अधिकारियों के मुताबिक, इस समय टैंक में लगभग 6,000 से 7,000 गैलन रसायन मौजूद है और इसके फेल होने के दो ही तरीके हो सकते हैं। पहला, यह जहरीला रसायन सीधे जमीन पर बह जाए। दूसरा और सबसे खतरनाक मोड 'थर्मल रनअवे' का है, जिसमें अनियंत्रित तापमान के कारण टैंक में भयंकर विस्फोट हो सकता है।

स्कूल बंद, शहरों में अलर्ट

आपातकालीन टीमों ने शुरूआत में रात भर में स्थिति पर काबू पाने का दावा किया था, लेकिन शुक्रवार को हालात और ज्यादा बिगड़ गए। बिगड़ते इन हालात को देखते हुए प्रशासन को मजबूरन निकासी क्षेत्र का दायरा बढ़ाना पड़ा।

गाजियाबाद नगर निगम Ghaziabad Nagar Nigam (ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था) | गाजियाबाद विकास प्राधिकरण GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

चमचमाते हाईटेक लुक में नजर आएगा मसूरी थाना

सीपी जे रविंदर गौड ने किया आधुनिक थाने का शुभारंभ, कॉपोरेट ऑफिस जैसी दिखी व्यवस्था

- कमिश्नरेट के शीर्ष अधिकारी रहे मौजूद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के मसूरी थाना की तस्वीर अब पूरी तरह बदल चुकी है। हाईटेक सुविधाओं और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस मसूरी थाना अब किसी कॉपोरेट ऑफिस की तरह नजर आ रहा है। रोशनी से जगमगाते कार्यालय, शीशे की तरह चमकती टेबल, अनुशासन में तैनात पुलिसकर्मी और आकर्षक इंटीरियर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। कभी साधारण दिखने वाला मसूरी थाना अब अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हो चुका है।

थाना परिसर में बेहतर लाइटिंग, साफ-सफाई, डिजिटल कार्यप्रणाली और व्यवस्थित कार्यालयों के जरिए पुलिसिंग को आधुनिक रूप दिया गया है। हाईटेक ग्रुप के सहयोग से तैयार किए गए इस नए स्वरूप ने थाने की कार्यप्रणाली और वातावरण दोनों को बदल दिया है।

पुलिस कमिश्नर ने किया शुभारंभ

करंट क्राइम : मसूरी थाने के नए स्वरूप का शुभारंभ पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने किया। इस अवसर पर एडिशनल सीपी केशव चौधरी, राजकरन नैय्यर, डीसीपी ग्रामीण जोन सुरेंद्र नाथ तिवारी, एडीसीपी सिटी धवल जायसवाल, एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह, प्रोटोकॉल राजेश पांडेय, एसीपी कार्यवाहक भास्कर वर्मा, एसीपी क्राइम-साहिबाबाद अमित सक्सेना, एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय, एसीपी नंदग्राम जियाउ्ददीन, एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव और मसूरी थाना प्रभारी अजय कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आधुनिक पुलिसिंग की नई मिसाल

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में लगातार हो रहे सुधार और आधुनिकीकरण का असर अब थानों की बदलती तस्वीर में साफ दिखाई देने लगा है। पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड की पहल पर थानों को जनता के भरोसे और बेहतर सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मसूरी थाना अब आधुनिक पुलिसिंग और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था की नई मिसाल बनकर उभरा है।

22 लाख की ज्वेलरी ठगी करने वाला शातिर गैंग गिरफ्तार, 18 लाख के आभूषण बरामद

स्वॉट टीम-सर्विलांस और विजयनगर पुलिस की कार्रवाई में 6 आरोपी दबोचे

फर्जी एड्रेस पर बुलाकर ज्वेलरी एजेंटों को बनाते थे निशाना

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने ज्वेलरी कंपनियों को निशाना बनाकर लाखों की ठगी करने वाले अंतरजनपदीय गैंग का पदार्फाश किया है। थाना विजयनगर पुलिस, डीसीपी सिटी की स्वॉट टीम और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में 6 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 18 लाख रुपये कीमत के पीली धातु के आभूषण, 5 मोबाइल फोन, फर्जी नंबर प्लेट और वारदात में इस्तेमाल की गई कार बरामद की है। डीसीपी ने बताया है कि ज्वेलरी कंसल्टेंट विनीत गुप्ता को सिद्धार्थ विहार स्थित एक पते पर ज्वेलरी दिखाने के बहाने बुलाया गया। आरोपियों ने उन्हें बातों में उलझाकर करीब 22 लाख रुपये की ज्वेलरी और आईपैड लूटकर फरार हो गए। शिकायत मिलते ही विजयनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस कमिश्नरेट स्तर पर मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर जोन स्वॉट टीम और सर्विलांस टीम को लगाया गया। तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने हिंडन बैराज की ओर जाने वाले रास्ते से सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पहले भी की हैं कई वारदातें

करंट क्राइम : एसीपी ने बताया है कि पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे एनसीआर क्षेत्र में ज्वेलरी कंपनियों को कॉल कर एजेंटों को फर्जी लोकेशन पर बुलाते थे और फिर धोखे से ज्वेलरी लेकर फरार हो जाते थे। आरोपी लूटी गई ज्वेलरी के बंटवारे के लिए इकट्ठा हुए थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी में अभिषेकु, पुष्पेंद्र उर्फ प्रेम, विशाल, अमन, यश और राहुल को दबोचा गया है। थाना प्रभारी विजय नगर धर्मपाल के अनुसार बरामद आभूषणों की अनुमानित कीमत करीब 18 लाख रुपये है। आरोपियों के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कमिश्नरेट पुलिस की इस कार्रवाई को ज्वेलरी ठगी के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस अब गैंग के अन्य सदस्यों और पुराने मामलों की भी जांच कर रही है।

लोहिया नगर सी-ब्लॉक में सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास, क्षेत्रवासियों में खुशी

गाजियाबाद करंट क्राइम। वार्ड 69 के लोहिया नगर सी-ब्लॉक में आज सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास आदरणीय महापौर सुनीता दयाल एवं क्षेत्रीय पार्षद कुलदीप त्यागी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने विकास कार्य की शुरूआत पर खुशी व्यक्त की। कार्यक्रम में पूर्व रेलवे बोर्ड सदस्य प्रदीप त्यागी, वार्ड अध्यक्ष राकेश जैन, राजनगर मंडल मंत्री अंकित त्यागी, ठाकुर राजवीर सिंह, एमएल वर्मा, हरिओम त्यागी, रमेश छिब्बर, राजेश बंसल, नवल किशोर, एसपी सिंह, मुकेश त्यागी, अनिल गुप्ता, राजेंद्र शर्मा, सुशील शर्मा, पीसी सरकार, महेश चंद्र, कपिल प्रधान, यशपाल बजाज, संजय गॉड, रुपेश त्यागी, संव रहेजा, उमेश त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इसके अलावा सुषमा अरोड़ा, सुमन गुप्ता, रेखा रस्तोगी, निशा गुप्ता, शारदा मेकर, पूनम रानी, प्रीती त्यागी, सुशीला आंटी, सीमा शर्मा, पूनम त्यागी, मधु वर्मा, नीलम छावरिया, सुनीता, मीना शर्मा, अंजलि, सपना एवं बड़ी संख्या में सम्मानित क्षेत्रवासी कार्यक्रम में मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण कार्य को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

जनगणना टीम को घर लाने पर पड़ोसी को मारी गोली, आरोपी गिरफ्तार

मुरादनगर में दिनदहाड़े चली गोली, 55 वर्षीय वीरेंद्र त्यागी घायल

गाजियाबाद, करंट क्राइम: ग्रामीण जोन के थाना मुरादनगर क्षेत्र में शनिवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब पड़ोसी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। जनगणना कर्मियों को घर लाने की बात से नाराज एक व्यक्ति ने अपने ही पड़ोसी को गोली मार दी। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। डीसीपी देहात सुरेंद्रनाथ तिवारी के मुताबिक, शनिवार को सुबह करीब 11 बजे डायल 112 पर सूचना मिली कि एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि वीरेंद्र त्यागी (55 वर्ष) को उनके पड़ोसी रामपाल चौधरी ने गोली मारी है। घायल वीरेंद्र त्यागी को गंभीर हालत में तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने तेजी दिखाते हुए आरोपी रामपाल चौधरी को मौके से ही हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह इस बात से नाराज था कि वीरेंद्र त्यागी जनगणना कर्मियों को उसके घर लेकर आए थे। इसी रंजिश में उसने गोली चलाकर वारदात को अंजाम दिया। दिनदहाड़े हुई फायरिंग की इस घटना से मुरादनगर क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग मामूली बात पर चली गोली से सकते में हैं।

मुकदमा दर्ज जांच शुरू

करंट क्राइम : घटना के बाद पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में अलर्ट जारी कर दिया गया। थाना मुरादनगर पुलिस ने तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त हथियार, अन्य साक्ष्य और पूरे विवाद की गहन जांच की जा रही है। एसीपी मोदीनगर-मसूरी भास्कर वर्मा ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है ताकि घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने लाई जा सके।

अवैध बस स्टैंडों पर प्रशासन का बड़ा एक्शन, 12 वाहन चालान और सीज

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद गाजियाबाद में अवैध बस स्टैंडों और सड़क किनारे यातायात बाधित करने वाले वाहनों के खिलाफ प्रशासन ने बड़ा अभियान चलाया। परिवहन विभाग, यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को शहर के प्रमुख चौराहों, बस अड्डों और मुख्य मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाकर अवैध रूप से खड़े वाहनों और अनाधिकृत बस ठहराव स्थलों पर कार्रवाई की।

एआरटीओ प्रशासन अशोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में यह अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व एआरटीओ प्रशासन अशोक कुमार श्रीवास्तव, एआरटीओ प्रवर्तन आकांक्षा सिंह पटेल और यात्रीकर अधिकारी जीत बहादुर सिंह ने किया। संयुक्त टीम ने शहर में अवैध रूप से संचालित बस स्टैंडों और सड़क किनारे बनाए गए अनाधिकृत वाहन ठहराव स्थलों को चिन्हित कर तत्काल हटवाने की कार्रवाई की। साथ ही नियमों का उल्लंघन कर सवारी भरने-उतारने और सड़क पर वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान कुल 12 वाहनों के खिलाफ चालान और सीज की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने वाहन चालकों और संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि केवल निर्धारित बस स्टैंडों और अधिकृत स्थानों का ही उपयोग करें तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें। अभियान के दौरान कई स्थानों पर जाम की स्थिति पैदा कर रहे वाहनों को हटवाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया गया, जिससे आम लोगों को राहत मिली। परिवहन विभाग ने साफ किया है कि अवैध बस स्टैंडों और अनाधिकृत वाहन ठहराव के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और भविष्य में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। जनसामान्य से अपील की गई है कि सड़क सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए केवल अधिकृत स्थानों पर ही वाहन खड़े करें और यातायात नियमों का पालन करें।

वीआईपी सुरक्षा में चूक नहीं होगी बर्दाश्त

एसीपी ट्रैफिक प्रथम रितेश त्रिपाठी ने पुलिसकर्मियों को दिया सख्त सुरक्षा मंत्र, बोले एक छोटी लापरवाही भी बन सकती है बड़ा खतरा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में वीआईपी ड्यूटी को लेकर आयोजित विशेष प्रशिक्षण सत्र में पुलिसकर्मियों को सुरक्षा के ऐसे गुर सिखाए गए, जिनका उद्देश्य किसी भी संभावित खतरे को पहले ही रोकना है। प्रशिक्षण के दौरान एसीपी रितेश त्रिपाठी ने साफ कहा कि वीआईपी सुरक्षा केवल औपचारिक ड्यूटी नहीं बल्कि पुलिस की जिम्मेदारी, सतर्कता और अनुशासन की सबसे बड़ी परीक्षा होती है।

उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि वीआईपी मूवमेंट के दौरान किसी भी अनजान व्यक्ति, संदिग्ध गतिविधि या अव्यवस्थित भीड़ को हल्के में न लें। सुरक्षा घेरा हमेशा मजबूत और सक्रिय रखें। ड्यूटी पॉइंट पर मोबाइल में व्यस्त रहना, लापरवाही से खड़े रहना या आपसी बातचीत में ध्यान भटकाना गंभीर चूक मानी जाएगी।

वीआईपी सुरक्षा क्यों आवश्यक

करंट क्राइम : प्रशिक्षण में बताया गया कि वीआईपी सुरक्षा केवल किसी विशेष व्यक्ति की सुरक्षा नहीं बल्कि कानून व्यवस्था, प्रशासनिक गरिमा और सार्वजनिक विश्वास से जुड़ा विषय है। किसी भी वीआईपी कार्यक्रम में हजारों लोगों की भीड़, यातायात दबाव और संभावित खतरे मौजूद रहते हैं। ऐसे में पुलिस की एकजुटता, त्वरित प्रतिक्रिया और अनुशासन ही किसी भी अप्रिय घटना को रोकने का सबसे बड़ा हथियार है। एसीपी रितेश त्रिपाठी ने कहा कि वीआईपी ड्यूटी में तैनात हर पुलिसकर्मी सुरक्षा श्रृंखला की महत्वपूर्ण कड़ी है। यदि एक भी कर्मी लापरवाही करता है तो पूरी व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है। इसलिए हर जवान को सजग, संयमित और प्रोफेशनल व्यवहार बनाए रखना होगा।

> "वीआईपी सुरक्षा केवल औपचारिक ड्यूटी नहीं बल्कि पुलिस की जिम्मेदारी, सतर्कता और अनुशासन की सबसे बड़ी परीक्षा होती है।
>
> एसीपी रितेश त्रिपाठी

क्या करें :-

करंट क्राइम : वीआईपी रूट की पहले से पूरी जांच करें। ड्यूटी पॉइंट पर लगातार सतर्क रहें। वायरलेस सेट और संवाद व्यवस्था सक्रिय रखें। तो भीड़ को नियंत्रित और व्यवस्थित रखें, संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु दिखते ही तुरंत सूचना दें। आपातकालीन स्थिति के लिए वैकल्पिक योजना तैयार रखें।

क्या न करें :-

करंट क्राइम : ड्यूटी के दौरान अनावश्यक बातचीत न करें, मोबाइल फोन में व्यस्त न रहें। बिना सत्यापन किसी व्यक्ति को सुरक्षा घेरे में प्रवेश न दें। भीड़ को वीआईपी के अत्यधिक करीब न आने दें। किसी भी सूचना को नजरअंदाज न करें।

ऑपरेशन प्रहार से हुआ एक्शन : नंदग्राम में महिला ड्रग माफिया के ठिकाने पर पुलिस का धावा

6 लाख कैश देख दंग रह गई टीम, 26 लाख का गांजा-स्मैक बरामद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के निर्देश पर चल रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत नशा कारोबारियों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी क्रम में डीसीपी सिटी धवल जायसवाल के नेतृत्व में थाना नंदग्राम पुलिस ने ऐसी कार्रवाई की, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन और थाना प्रभारी जितेंद्र की टीम ने छापेमारी कर एक महिला मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया। महिला अपने तीन मंजिला मकान में रहकर खोखे की आड़ में नशे का कारोबार चला रही थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से करीब 26 लाख रुपये कीमत का गांजा और स्मैक, 2460 पुड़िया स्मैक, भारी मात्रा में गांजा, 6 लाख रुपये से ज्यादा नगद, तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन, तीन कीपैड मोबाइल और अन्य संदिग्ध सामान बरामद किया।

सूत्रों के मुताबिक जब थाना प्रभारी नंदग्राम की टीम ने घर के अंदर इतनी बड़ी नकदी देखी तो पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। इसके बाद पुलिस ने कई अन्य ठिकानों पर भी दबिश दी, हालांकि वहां कोई बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि बरामद मोबाइल फोन और नकदी से नशा तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। पुलिस अब महिला तस्कर के संपर्कों और सप्लाई चैन की गहराई से जांच कर रही है। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने साफ कहा कि ऑपरेशन प्रहार अभी जारी है और आने वाले दिनों में गाजियाबाद के अलग-अलग इलाकों में नशा कारोबारियों के खिलाफ इसी तरह की बड़ी और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीसीटीवी में कैद हुई साढ़े तीन लाख की चोरी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र के सूरजमल एनक्लेव सेक्टर-23 में कार का शीशा तोड़कर साढ़े तीन लाख रुपये चोरी करने की वारदात कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में आरोपी युवक कार के पास पहुंचता दिखाई दे रहा है, जिसके बाद वह शीशा तोड़कर अंदर रखी नकदी लेकर फरार हो जाता है। पीड़ित दीपक वर्मा ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपी विपुल को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी पीड़ित का परिचित है और उसके पिता उत्तर प्रदेश पुलिस से रिटायर्ड कर्मचारी रह चुके हैं।

पुलिस के मुताबिक मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

44 डिग्री की तपिश में टीआई अजय कुमार का मानवीय चेहरा

- हापुड़ चुंगी पर वाहन चालकों को बांटे शीतल पेय और पौधे
- बोले हेलमेट लगाएंगे तो गर्मी और हादसे दोनों से बचेंगे

गाजियाबाद, करंट क्राइम : ट्रैफिक इंस्पेक्टर अजय कुमार यादव ने शनिवार को 44 डिग्री तापमान और तेज धूप के बीच हापुड़ चुंगी पर अनोखा जागरूकता अभियान चलाकर लोगों का दिल जीत लिया। सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार फोटो, वीडियो और रील्स के माध्यम से लोगों को जागरूक करने वाले यातायात निरीक्षक अजय कुमार यादव इस बार सड़क पर उतरकर वाहन चालकों के बीच पहुंचे और उन्हें शीतल पेय पदार्थ वितरित किया। इस दौरान राहगीरों और बाइक चालकों को पौधे भी बांटे गए। अभियान के दौरान टीआई अजय कुमार यादव ने लोगों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हेलमेट केवल सड़क हादसों से ही नहीं बचाता, बल्कि तेज धूप और लू से भी सुरक्षा देता है। उन्होंने कहा कि जीवन अनमोल है, इसलिए ट्रैफिक नियमों का पालन करना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने भी पूरी सक्रियता के साथ सहयोग किया। वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ-साथ सुरक्षित ड्राइविंग का संदेश भी दिया गया। दरअसल पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद लगातार सड़क हादसों में कमी लाने के लिए अलग-अलग जागरूकता अभियान चला रहा है। हापुड़ चुंगी पर चलाया गया यह अभियान भी उसी कड़ी का हिस्सा रहा, जहां पुलिस का संवेदनशील और मानवीय चेहरा देखने को मिला।

पुलिस लाइन में डीसीपी धवल जायसवाल का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर कसा शिकंजा

- कैन्टीन से बैरक और हॉस्पिटल तक हर व्यवस्था की हुई जांच, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए शनिवार को धवल जायसवाल ने पुलिस लाइन का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने पुलिस कैन्टीन, मैस, बैरक, राजकीय सम्पत्ति स्टोर और पुलिस हॉस्पिटल का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता, पुलिसकर्मियों को मिलने वाली सुविधाओं, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और सरकारी संसाधनों के रखरखाव की स्थिति का जायजा लिया। डीसीपी ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पुलिस लाइन की सभी व्यवस्थाएं उच्च स्तर की हों और कहीं भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैरकों में अनुशासन, मैस में गुणवत्तापूर्ण भोजन, कैन्टीन में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और पुलिस हॉस्पिटल में बेहतर उपचार व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

इसके साथ ही राजकीय सम्पत्ति स्टोर में रखे सामान के रखरखाव, रिकॉर्ड अपडेट रखने और संसाधनों के सही उपयोग को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट लगातार पुलिसकर्मियों के कार्यस्थल और सुविधाओं को आधुनिक एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि जवान बेहतर माहौल में अपनी जिम्मेदारियां निभा सकें।

कश्यप सेवा संस्था और गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस की अनूठी पहल

भीषण गर्मी में राहगीरों को पिलाया शीतल पेय, ट्रैफिक नियमों के प्रति किया जागरूक

- पुलिस अधिकारियों को पौधे भेंट कर किया सम्मानित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बढ़ती गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच कश्यप सेवा संस्था एवं ट्रैफिक पुलिस (कमिश्नरेट गाजियाबाद) के संयुक्त प्रयास से एक सराहनीय कदम उठाया गया। हापुड़ चुंगी चौराहे पर आयोजित इस विशेष शिविर में जहाँ एक ओर आमजन और राहगीरों को शीतल पेय वितरित कर गर्मी से राहत पहुंचाई गई, वहीं दूसरी ओर लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। इस सेवा कार्य के दौरान मुख्य रूप से उपस्थित एसीपी ट्रैफिक अजय कुमार, ट्रैफिक इंस्पेक्टर अजय यादव और ट्रैफिक इंस्पेक्टर सन्तोष कुमार सिंह को संस्था की ओर से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने संस्था के इस मानवीय प्रयास की सराहना की और कहा कि समाज के सहयोग से ही यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकता है। इस जनसेवा और जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से अंकुश शर्मा, अंकित सैनी, समाजसेवी राजन कश्यप, उमेश कश्यप, जिले खान सलमानी, जतनवीर चौधरी, मोहित कुमार, हेमंत सिंह, हर्ष कश्यप, देविंदर कश्यप, रिंकू कश्यप, विजयपाल कश्यप और अशोक कश्यप सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने राहगीरों को रोककर उन्हें सुरक्षित सफर के लिए हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग करने का आग्रह किया।